श्रावण शुक्ल पक्ष चतुर्थी, संवत् 2082 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 25 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांकः म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
28 जुलाई 2025 सोमवार

आज का मौसम
28 अधिकतम
23 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

लोकशाही की मजबूती के कदमों से बेचैन क्यों है विपक्षी दल

प्रसंगवश
राजेश सिरोठिया

सारे राजनीतिक दल मानते हैं कि लोकसभा या विधानसभा सहित सारे चुनाव लोकतांत्रिक प्रक्रिया से पूरे कराए जाएं। इसी से लोकशाही मजबूत होगी। इसका पहला पड़ाव मतदाता सूची है, जिसके आधार पर पात्र मतदाता अपनी सरकार चुनें। लेकिन बिहार से शुरू किए गए मतदाता सूची के विशेष गहन परीक्षण (स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन की प्रक्रिया) को लेकर दिल्ली से लेकर बिहार में विपक्षी सियासी दलों में अजीब से बवाल की स्थिति है। 25 जून से 26 जुलाई के हुए मतदाता सूची संशोधन अभियान के पहले चरण के आंकड़े चौंकाने वाले और लोकशाही की बुनियाद को हिलाने वाले हैं। संभवत-बिहार ऐसा पहला राज्य है जहां पर अक्टूबर-नवंबर में होने वाले चुनाव में मतदाताओं की संख्या घट गई है। वह भी थोड़ी नहीं तकरीबन 67 लाख। निर्वाचन आयोग ने ब्लाक लेवल अफसरों की गलती सुधारने और गलती से कटे नामों को जुड़वाने के लिए वोटर और सभी 12 सियासी दलों को 1 अगस्त से 1 सितंबर तक की मोहलत और दी है जिसके तहत इसमें सुधार वो करवा सकते हैं।

निर्वाचन आयोग ने तय अवधि तक चलाए गए अभियान के तहत अभी तक मौजूदा 7 करोड़ 89 लाख वोटरों में से 91.69 फीसदी मतदाताओं की जानकारी अपलोड करके उसके आंकड़े रविवार को जारी किए हैं। ताजा हालात में अब 7 करोड़ 24 लाख वोटर ही बचे हैं। आयोग की रपट के मुताबिक मतदाता सूची में दर्ज वोटर में से करीब 22 लाख वोटर इस दुनिया को पहले ही अलविदा कह चुके हैं। 36 लाख लोग या तो पिछले पते से दूसरी जगह (अन्य प्रदेशों में) रहने चले गए हैं या फिर वे कहीं और जा चुके हैं। सात लाख वोटर ऐसे भी पाए गए हैं जिनके नाम एक से अधिक जगहों पर दर्ज पाए गए। फिर वो लोग भी हैं जो खुद को पात्र साबित करने के दस्तावेज पेश नहीं कर सके। बावजूद इसके आयोग

1 अगस्त मतदाता सूची का मसौदा जारी करेगा। डिजिटल सूची सभी 12 राजनीतिक दलों को मिलेगी। मतदाता सीधे ही आयोग के एप पर जाकर अपना नाम जुड़वा सकते हैं। यह मुहिम एक सितंबर तक चलेगी फिर अंतिम सूची जारी होगी।

वोटर्स की सघन जांच में आधार कार्ड, ड्रायविंग लायसेंस, राशन कार्ड, मनरेगा के तहत मजदूरी के लिए बने वाले कार्ड या पुरानी वोटर आईडी पात्रता के दायरे से रखा गया। ऐसा इसलिए क्योंकि कई लोगों ने नेताओं दलालों की मदद से ये तमाम कार्ड फर्जी तरीके बनवाकर अपना नाम वोटर लिस्ट में डुड़वा रखा है। आयोग ने 11 तरह के प्रमाणपत्रों को नई सूची के लिए मान्य किया। इनमें स्थाई निवासी प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र, स्थाई मकान या रहवास, पासपोर्ट, 1987 के पहले बैंक खाता, 1 जुलाई 1987 से पहले पैदा होने का प्रमाणपत्र जिसमें जन्म स्थान का उल्लेख भी हो। केंद्र और राज्य सरकार के कर्मचारियों के अलवा पेंशनधारियों , वन अधिकार पत्र धारकों, रे पात्र होंगे। बिहार के मान्यता प्राप्त बोर्ड ले मेट्रिक करने वाले या मान्यता प्राप्त यूनिवर्सिटी में अध्ययनरत छात्रों के नाम भी सूची में शुमार किए गए। राजद जैसे कई दलों ने इसके लिए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खडख़ड़ाया। कोर्ट ने सीधे आदेश देने के बजाए कहा कि आधार, राशन कार्ड और वोटर आईडी को भी शामिल किया जा सकता है लेकिन निर्वाचन आयोग ने कानूनी प्रावधानों और व्यवहारिक दिक्कतों का हवाला देते हुए इसे जारी रखा। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने प्रक्रिया के विरोधियों से पूछा है कि क्या देश और प्रदेश के बाहर के या दो -दो जगहों पर नाम लिखाने वालों को कैसे मतदान की इजाजत दी जा सकती है? उनका इशारा बिहार में अवैध रूप से रह रहे नेपाली, बांग्लादेशी, रोहिंग्याओं और बाहरी लोगों की तरफ था।

याचिका सुप्रीम कोर्ट में हैं जिस पर अगली सुनवाई 28 जुलाई को होना है। लेकिन लोकतंत्र की मजबूती के लिए मतदाता सूची का शुद्धिकरण जरूरी है। फिर विपक्षी दलों में बिलबिलाहट की क्या वजह है? क्या वे टूटा फूटा या क्षत विक्षत लोकशाही को ही असली मान चुके हैं? चुनाव के पहले ही राजद व्दारा चुनाव के बहिष्कार की धमकी कितनी जायज है? फिर आयोग ने यह कदम सिर्फ बिहार के लिए नहीं उठाया है। बिहार में एसआईसी प्रक्रिया पूरी होने के बाद उन पांच राज्यों में भी चलना है जहां अगले साल चुनाव होना है। इनमें बंगाल, तमिलनाडु, केरल, असम, पुडूचेरी शामिल हैं। इनके अलावा 2027 में यूपी, उत्तराखंड,गोवा , मणिपुर और पंजाब में विधानसभा चुनाव होना है। वहां भी ऐसे ही वोटर लिस्ट की छानबीन होगी। यह सिलसिला पूरे देश में चलना है। इसलिए क्षुद्र राजनीति से ऊपर उठकर अपने कार्यकर्ताओं को सक्रिय करने की जरूरत है जो पात्र वोटर के नाम जुड़वाएं।

संसद सत्र में आज पहलगाम व ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा, मप्र विस का सत्र शुरु

मुद्दों का मानसूनः संसद में महाबहस मप्र में विपक्ष ने छेड़ा आरक्षण राग

नई दिल्ली, भोपाल, दोपहर मेट्रो/ एजेंसी

आज संसद के मानसून सत्र के छठे दिन लोकसभा में पहलगाम हमला और ऑपरेशन सिंदूर पर 16 घंटे लगातार चर्चा की शुरूआत हो रही है। इसे लेकर आज सुबह से खासी गहमागहमी रही है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह इस पर चर्चा की शुरूआत कर सकते हैं। कांग्रेस की तरफ से चर्चा की शुरूआत गौरव गोगोई कर रहे हैं वहीं प्रियंका गांधी शाम लगभग चार बजे बोलेंगी। उधर मप्र में भी आज मानसून सत्र की शुरूआत हुई और विपक्ष ने ओबीसी आरक्षण के मुद्दे पर राज्य सरकार पर रंग बदलने का ओरोप लगाया।

पहलगाम व आपरेशन सिंदूर पर

चर्चा के पहले भी कई मोड आ रहे हैं। संसद के भीतर आज बिहार वोटर लिस्ट पर वेल में जबर्दस्त हंगामे के बीच सदन की कार्रवाई स्पीकर ओम बिरला ने दोपहर एक बजे तक स्थगित कर दी है। यानि चर्चा की शुरआत अब एक घंटे आगे खिसक गई है। पहलगाम व आपरेशन सिंदूर पर चर्चा में विपक्ष की ओर से लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, सपा प्रमुख अखिलेश यादव समेत अन्य सांसद सरकार से सवाल करेंगे। विपक्षी सांसद मानसून सत्र के पहले दिन से ही पहलगाम हमला, ऑपरेशन सिंदूर और ट्रम्प का सीजफायर दावा पर सरकार से जवाब मांग रहे हैं।

गिरगिट का आकृति वाले खिलौने लेकर प्रदर्शन

मध्यप्रदेश विधानसभा का मानसून सत्र आज शुरू हो गया। इसमें पहले ही दिन प्रतिपक्ष कांग्रेस के विधायकों ने अपने तेवरों का इजहार किया और हाथों में तख्तियां और गिरगिट आकृति वाले खिलौने लेकर पहुंचे। इन्होंने परिसर में गांधी प्रतिमा के सामने नारेबाजी की। कांग्रेस विधायकों का कहना था कि सरकार अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) को 27 फीसदी आरक्षण नहीं देना चाहती। वह बार-बार गिरगिट की तरह रंग बदल रही है। इस मामले में कांग्रेस विधायक हाथ में तख्ती लिये रहे। उधर सदन के

भीतर मानसून सत्र की कार्यवाही शुरू होने के बाद विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर, मुख्यमंत्री मोहन यादव, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने पूर्व विधायक राजा सुरेंद्र बहादुर सिंह, रघुनाथ चौधरी, शंकर लाल मुन्नाखेड़ी, सरदार सुखदेव सिंह, पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. गिरिजा व्यास, गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय कुमार रुपाणी, फिल्म अभिनेता मनोज कुमार, लोक कलाकार रामसहाय पांडे को श्रद्धांजलि दी। साथ ही पहलगाम आतंकी हमले के शहीदों को भी श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

लक्ष्मण रेखा.. रिजिजू की नसीहत, चिंदबरम का बयान

इधर कांग्रेस नेता पी चिदंबरम का पहलगाम हमले पर बयान सुर्ख हो गया है। उन्होंने कहा था कि कैसे पता कि आतंकी पाकिस्तान से आए थे। कांग्रेस के पूर्व वित्त मंत्री का यह बयान संसद में पहलगाम आतंकी हमला और ऑपरेशन सिंदूर पर सदन में चर्चा के कुछ घंटे पहले आया। उन्होंने कहा कि एनआईए यह बताने को तैयार नहीं हैं कि उन्होंने क्या किया? आतंकवादियों की पहचान की है या यह पता लगाया है कि वे कहां से आए थे? क्या पता, वे देश के ही आतंकवादी हों। उधर संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने विपक्ष से लोकसभा में चर्चा के दौरान लक्ष्मण रेखा पार न करने की अपील की व कहा कि विपक्ष ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा के दौरान सोच-विचारकर बोले ताकि पाकिस्तान विपक्षी नेताओं के बयानों को अपने हित में इस्तेमाल न कर पाए। हमें भारतीय सशस्त्र बलों की गरिमा बनाए रखनी होगी।

पटना रेलवे स्टेशन पानी से घिरा

मप्रः डैम ओवरफ्लो, 8 इंच बारिश का अलर्ट

भोपाल दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश में आज भी बारिश का स्ट्रॉन्ग सिस्टम एक्टिव है। सुबह से भोपाल में बारिश हो रही है। ग्वालियर में स्कूलों में अवकाश घोषित किया गया है।, श्योपुर, मुरैना, भिंड, दतिया, गुना, अशोकनगर, शिवपुरी, निवाड़ी और टीकमगढ़ में भी आठ इंच तक बारिश का अलर्ट है। नीमच, मंदसौर, आगर-मालवा, राजगढ़, खंडवा, हरदा, विदिशा, सागर, रायसेन, नर्मदापुरम, बैतूल, पांढुर्णा, छिंदवाड़ा, सिवनी, बालाघाट और छतरपुर में भारी बारिश है। कल नर्मदा नदी खतरे के निशान से ऊपर बही तो कई डैम ओवरफ्लो हो गए। अभी तीन दिन ऐसा ही मौसम रहेगा।

उधर बंगाल की खाड़ी में बना लो प्रेशर से राजस्थान में 14 जिलों में रेड अलर्ट है। कोटा-नीमच स्टेट हाईवे बंद हो गया है। झालावाड़, कोटा, भीलवाड़ा, बांसवाड़ा, बारां, डूंगरपुर, धौलपुर और अजमेर में स्कूलों की छुट्टी घोषित की गई है। पटना में रविवार पूरी रात हुई बारिश हालत बिगड़ गए हैं। पटना जंक्शन पर रेल ट्रैक डूब गया है। स्टेशन के बाहर 2 फीट पानी भर गया है।

बिजली का तार गिरा, करंट से जलाभिषेक में भगदड़, दो मौत

बाराबंकी एजेंसी

कल हरिद्वार में मनसा देवी मंदिर में करंट की अफवाह और भगदड़ से आठ मौतों के बाद अब उप्र के बाराबंकी के औसानेश्वर महादेव मंदिर में सावन के तीसरे सोमवार को आज भगदड़ मच गई। हादसे में दो श्रद्धालुओं की मौके पर ही मौत हो गई, 29 लोग घायल हैं, जिनमें महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं।

जानकारी के मुताबिक तड़के 2.30 बजे जलाभिषेक के दौरान मंदिर परिसर में अचानक करंट फैलने से हादसा हुआ। भागने के दौरान लोग एक-दूसरे को कुचलते चले गए। हादसे के बाद पुलिसकर्मी एंबुलेंस से 29 लोगों को हैदरगढ़ सीएचसी लेकर आए। 9 को

त्रिवेदीगंज और 6 को कोठी सीएचसी भेजा गया। पांच गंभीर घायलों का जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है। अब तक दो की मौत हुई है। कलेक्टर शशांक त्रिपाठी ने बताया- कुछ बंदर बिजली के तार पर कूद गए थे, जिससे तार टूटकर मंदिर परिसर के टिन शेड पर गिर गया। इसी कारण करंट फैल गया। करंट लगने से प्रशांत कुमार (16) और रमेश कुमार (35) की मौत हुई है। योगी सरकार ने मृतकों के परिजनों को 5-5 लाख रुपए देने का ऐलान किया है।

श्रावण सोमवारः आज महाकाल का गणेश स्वरूप में हुआ श्रृंगार

भोपाल। आज श्रावण माह का तीसरा सोमवार है। तड़के उज्जैन के महाकालेश्वर मंदिर के सभा मंडप में वीरभद्र के कान में स्वस्ति वाचन कर

चांदी का पट खोला गया व कर्पूर आरती की गई।आज विनायक चतुर्थी होने के कारण भगवान महाकाल का गणेश स्वरूप में श्रृंगार किया गया है। महाकाल का रजत चंद्र, त्रिशूल, मुकुट आभूषण के साथ भांग, चंदन, ड्रायफ्रूट से श्रृंगार कर भस्म चढ़ाई गई। उधर खंडवा में भगवान ओंकारेश्वर का नर्मदा जल से अभिषेक किया गया। विशेष श्रृंगार के बाद गुलाब के फूल, बिल्व पत्र चढ़ाए गए। रायसेन में भोजेश्वर महादेव को 5 क्विंटल फूल, धतूरे, बिल्व पत्र और आम के पत्तों के साथ नागेश्वर स्वरूप में सजाया गया है।

शाह मामले में आज स्टेटस रिपोर्ट पेश करेगी SIT

भोपाल। मप्र के जनजातीय कार्यमंत्री विजय शाह के कर्नल सोफिया कुरैशी

पर दिए बयान के मामले में आज सुप्रीम कोर्ट सुनवाई कर रहा है। इस दौरान स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम स्टेटस रिपोर्ट पेश करेगी। एसआईटी ने मंत्री के बयान के वीडियो को जांच के लिए भेजा गया था। जांच रिपोर्ट में आए तथ्यों को भी एसआईटी अपनी स्टेटस रिपोर्ट में दर्ज करेगी।

राजस्थान में 2700 स्कूल जर्जर, रिपोर्ट में खुलासा

जयपुर एजेंसी। राजस्थान के झालावाड़ में सरकारी स्कूल की छत गिरने से सात बच्चों की मौत के बाद एक चौंकाने वाली रिपोर्ट सामने आई है। इसमें

बताया गया है कि राजस्थान में 2,700 से ज्यादा स्कूल बिल्डिंगों को बड़े पैमाने पर मरम्मत की जरूरत है और इसके लिए आवंटित 254 करोड़ रुपये की धनराशि वित्त विभाग से मंजूरी के लिए लंबित है। इस रिपोर्ट के सामने आने के बाद से सरकारी स्कूलों की जर्जर हालत और प्रशासनिक लापरवाही पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। राज्य शिक्षा विभाग की रिपोर्ट के अनुसार राजस्थान में 2,710 स्कूल भवनों को बड़े पैमाने पर मरम्मत की जरूरत है, हालांकि, रिपोर्ट में कहा गया है कि वित्त विभाग ने अभी तक अधिकांश धनराशि को मंजूरी ही नहीं दी है, जिससे प्रशासनिक देरी और बजट क्रियान्वयन पर सवाल उठ रहे हैं।

जन्मप्रमाण मामलाः बैडमिंटन स्टार लक्ष्य को सुप्रीम राहत

नई दिल्ली एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने जन्म प्रमाण में जालसाजी मामले में भारत के स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन को बड़ी राहत दी है। सुप्रीम कोर्ट ने लक्ष्य के खिलाफ एफआईआर रद्द कर दी है। सर्वोच्च न्यायालय ने कहा है कि

लक्ष्य सेन के खिलाफ आपराधिक कार्यवाही जारी रखना अनुचित है और यह अदालती प्रक्रिया का दुरुपयोग है। अर्जुन अवॉर्ड से सम्मानित और बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों के स्वर्ण पदक विजेता शटलर लक्ष्य सेन पर साल 2022 में उम्र का गलत विवरण देने का आरोप लगा था। बेंगलुरु पुलिस ने एक शिकायत के बाद लक्ष्य के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की थी। लक्ष्य पर जूनियर स्तर पर प्रतिस्पर्धा करते हुए आयु-प्रतिबंधित टूर्नामेंटों में प्रवेश पाने के लिए अपनी उम्र में हेरफेर करने का आरोप लगा था।

मेट्रो एंकर — कानूनी व वैवाहिक जटिलता का अजब मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा

क्यूबा में भारतीय राजदूत की दो पत्नियां...उलझा कानूनी पेंच

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय विदेश सेवा के एक अधिकारी के विवाह का मामला अजब पेंचों में उलझ गया है। इस मामले में परंपरा और कानूनी प्रक्रियाओं का भी सवाल आ गया है। यह भी पूछा जा रहा है कि क्या असम के दीमा हसाओ जिले में कुकी जनजाति के पुरुष और महिला के बीच चर्च में संपन्न विवाह को सोंगपिजान ग्राम समिति और गांवबुरा यानि गांव के बुजुर्ग के जरिये पति की तरफ से प्रथागत कानून के आधार पर शुरू की गई कार्यवाही के बिनाह पर भंग किया जा सकता है? दरअसल, गुवाहाटी हाईकोर्ट ने कहा था कि ईसाई विवाह अधिनियम, 1872 के अनुसार एक बार चर्च में विवाह हो जाने पर, उसे गांव के बुजुर्गों की भागीदारी वाली प्रथागत कानूनी प्रक्रियाओं द्वारा रद्द नहीं किया जा सकता। कोर्ट ने यह भी कहा कि विवाह केवल तलाक अधिनियम, 1869 की धारा 10 के अनुसार उच्च न्यायालय या जिला न्यायाधीश के समक्ष शुरू की गई कार्यवाही के माध्यम से ही भंग किया जा सकता है।

इसी फैसले ने क्यूबा में भारतीय राजदूत थोंगकोमांग आर्मस्ट्रांग चांगसन को एक अजीबोगरीब वैवाहिक स्थिति

में डाल दिया क्योंकि उनकी दो पत्नियां थीं।मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक 022 में हाई कोर्ट की तरफ से यह घोषित किए जाने से पहले कि 1994 में नेखोल चांगसन के साथ उनकी चर्च में हुई शादी कायम है, उन्होंने तलाक के बाद दूसरी महिला से शादी कर ली। दोनों शादियों से उनकी एक-एक बेटी है। चांगसन की अपील के लंबित रहने के दौरान और सुप्रीम कोर्ट की तरफ से आदेशित मध्यस्थता विफल होने के बाद, जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की पीठ ने मौखिक रूप से कहा कि हाई कोर्ट का फैसला कानूनी रूप से सही है। यह देखते हुए कि भारतीय विदेश सेवा के अधिकारी की शादी को लगभग डेढ़ दशक हो चुके हैं, पीठ ने इस कानूनी-वैवाहिक जटिलता का समाधान खोजने और पहली पत्नी को नया जीवन शुरू करने में मदद करने का फैसला किया। राजदूत ने कहा कि वह नेखोल को 20,000 रुपये मासिक गुजारा भत्ता दे रहे हैं और उन्हें दिल्ली में एक घर भी दिया है। नेखोल ने खुद इस मामले की पैरवी की। उन्होंने अदालत को बताया कि उन्होंने अपने पति की किसी भी भागीदारी के बिना अकेले ही अपनी बेटी का पालन-पोषण किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि अब उनके पति ने चालाकी से उनकी 29 वर्षीय बेटी को उनसे अलग कर दिया है। राजदूत की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता मेनका गुरुस्वामी ने कहा कि पिता अपनी वयस्क बेटी का खर्च उठा रहे हैं, जो बेंगलुरु में अपना करियर बना रही है।

सीएम ने लिया मेट्रो प्रोजेक्ट की रफ्तार का जायजा, 11मिनट में पहुंचे एम्स

भोपाल दोपहर मेट्रो

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने भोपाल मेट्रो ट्रेन की सवारी कर इसकी ट्रायल यात्रा (टेस्ट रन) की। मुख्यमंत्री ने तीन डिब्बों वाली मेट्रो ट्रेन में सुभाष नगर स्टेशन से एम्स तक और वापसी में एम्स से आरकेएमपी स्टेशन तक टेस्ट रन लेकर इसमें मौजूद सुविधाओं और खूबियों को जाना। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार भोपाल मेट्रो ट्रेन का शीघ्र लोकार्पण करने की तैयारी कर रही है। उन्होंने मेट्रो ट्रेन के सफर को आनंददायक बताते हुए कहा कि हम जल्द से जल्द भोपाल के हर नागरिक को इस आनंदमयी यात्रा का उपहार देना चाहते हैं। मेट्रो की यात्रा से पहले मुख्यमंत्री ने भोपाल मेट्रो रेल के प्रायोरिटी कॉरीडोर के बारे में जानकारी ली। मुख्यमंत्री डॉ. यादव सुभाष नगर मेट्रो स्टेशन के समीप स्थापित मेट्रो ट्रेन के सेंट्रल कंट्रोल रूम (कमांड सेंटर) भी पहुंचे और वहां से मेट्रो ट्रेन संचालन के बारे में तकनीकी जानकारी प्राप्त की।

ज्योति टॉकीज से बोर्ड आफिस चौराहे की सड़क का मामला

काम सात दिन का, परेशानी पूरे अगस्त की, राहगीरों को परेशान करेगा रास्ता

80 के दशक में पत्थर की चुनाई से बना नाला अब ध्वस्त

भोपाल दोपहर मेट्रो

राजधानी के व्यस्ततम इलाके ज्योति टॉकीज चौराहे पर नाले की दीवार टूटने से खराब हो रही सड़क को सुधारने के लिए यहां परंपरागत पुलिया बनाने की बजाय प्री-कास्ट बॉक्स कल्वर्ट (सीमेंट-कंक्रीट की तैयार पुलिया) बनाने का फैसला किया गया है। यहां तीन दिन से बैरिकेडिंग लगाकर ट्रेफिक को नियत्रित करने की कोशिश की जा रही है। जबकि दस दिन पहले इसी सडक के दूसरे हिस्सा धंस चुका है। बताया जाता है कि लगभग 32 मीटर चौड़ी सड़क पर एक सिरे से दूसरे सिरे तक 3×3×3 के 11 बॉक्स सड़क के नीचे बिछाए जाएंगे। इस पर लगभग डेढ़ करोड़ रुपए खर्च होंगे। लगभग एक सप्ताह में यह काम पूरा हो जाएगा। लेकिन टेंडर आदि में अभी तीन सप्ताह लग सकते हैं।

जानकारों का कहना है कि यदि परंपरागत तरीके से यहां पुलिया बनाई जाए तो सड़क को खोदकर इतनी बड़ी पुलिया बनाने

के लिए कम से कम 3 महीने का समय चाहिए और लागत लगभग डेढ़ करोड़ रुपए ही आएगी। लेकिन शहर के व्यावसायिक क्षेत्र एमपी नगर और भेल को शेष शहर से जोड़ने वाली इस प्रमुख सड़क को तीन महीने तक बंद रखना एक नई समस्या बन सकता है। हालांकि, प्री-कास्ट पुलिया लगाने के लिए भी अगस्त महीने के अंत तक लोगों को परेशानी उठानी ही पड़ेगी।

बताया जाता है कि प्रीकास्ट बॉक्स कल्वर्ट, कंक्रीट से बने ढांचे हैं, जो फैक्ट्री में तैयार होते हैं। फिर उन्हें साइट पर स्थापित किया जाता है। ये बॉक्स कलवर्ट सामान्य तौर पर हाईवे और रेलवे में उपयोग की जाती हैं। मप्र में शहरी सड़कों में इस तरह बॉक्स कल्वर्ट नहीं लगाए गए हैं। लोनिवि के चीफ इंजीनियर संजय मस्के का कहना है कि ज्योति टॉकीज चौराहे पर प्री-कास्ट बॉक्स कलवर्ट की तैयारी हो रही है। इसका एस्टीमेट तैयार है। 15 अगस्त तक टेंडर आदि की प्रक्रिया पूरी करके यहां कलवर्ट बनाया जाएगा। भोपाल में शहर की सड़क पर यह कलवर्ट पहली बार बिछाई जाएगी।

ट्रैफिक डायवर्ट होने से बढ़ी परेशानी

करीब चालीस साल पहले पत्थर की चुनाई से बना यह नाला अब ध्वस्त होने लगा है। इसके ऊपर बनी मुख्य सडक पर भारी ट्रेफिक दौड़ता है। ज्योति टॉकीज से बोर्ड ऑफिस चौराहा जाने वाली इस सड़क का दबाव यह नाला झेलने की स्थिति में अब नहीं है। लगभग दस दिन पहले बोर्ड ऑफिस से ज्योति टॉकीज वाली लेन पर 8 फीट का गड्ढा हो गया था। इसे आनन-फानन में सुधारा और एक सप्ताह बाद दूसरी लेन पर सड़क पर दरारें नजर आने के बाद यहां ट्रैफिक डायवर्ट कर दिया गया है। लेकिन इससे भी वाहन चालकों को परेशानी हो रही है और जाम लग रहा है।

कोलार में नवनिर्मित सड़क उधडी

दूसरी तरफ कोलार सिक्स लेन रोड पर बने सर्वधर्म के नए ब्रिज पर सड़क उखड़ गई। यह ब्रिज ही शहर को कोलार से जोड़ता है। कोलार सिक्स लेन निर्माण के समय इस ब्रिज के चौड़ीकरण का टेंडर अलग से जारी किया गया था। इस पर लगभग 5 करोड़ रुपए खर्च हुए थे। नए ब्रिज पर सड़क उखड़ने की जानकारी मिलने पर यहां तत्काल रिपेयरिंग शुरू कर दी गई है।

नगर निगम को भी करना होगा काम

अरेरा हिल्स से एमपी नगर जोन-1 होते हुए ज्योति टॉकीज के सामने से सड़क को क्रॉस करके एमपी नगर जोन-2 जाने वाले इस नाले के शेष हिस्से के निर्माण की जिम्मेदारी नगर निगम की है। अफसरों का कहना है कि नाला कई जगह से संकरा हो गया है। एमपी नगर जोन 2 में इस नाले पर बीडीए ने दुकानें बना दी हैं। अब हालत देखकर लगता है कि किसी भी दिन हादसा हो सकता है। लेकिन अभी निगम ने इस पर कोई काम नहीं किया है।

मेट्रो : 2.4 एकड़ जमीन होना है अधिग्रहित

अब बड़ा बाग कब्रिस्तान की जमीन पर फंस सकता हैं पेंच

मेट्रो अफसरों के साथ वक्फ बोर्ड की लंबी चर्चा

भोपाल दोपहर मेट्रो

बरसों से जारी मेट्रो प्रोजेक्ट में हर अंतराल के बाद नया पेंच आता है। अब एम्स से करोंद जाने वाले मेट्रो रूट के लिए भोपाल टॉकीज के पास बड़ा बाग कब्रिस्तान की 2.4 एकड़ जमीन के अधिग्रहण में पेंच फंस गया है। लगभग 32 एकड़ में फैले बड़ा बाग में तीन मंजिला वास्तुशिल्पीय उत्कृष्ट कृति के रूप में एक बावड़ी है। यह संरचना 60 फुट गहरी है। पारंपरिक चारबाग प्रणाली के अनुसार लाल बलुआ पत्थर से निर्मित कई मकबरे, मजार और शाही खानदान की कब्रें हैं। इनमें छठे नवाब वज़ीर मोहम्मद खान का मकबरा यहां निर्मित पहली संरचना है।

खास बात यह है कि राज्य सरकार ने हाल ही में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जल संरक्षण के लिए यहां की बावड़ी का जीर्णोद्धार किया है।वक्फ बोर्ड कार्यालय में चेयरमैन सनवर पटेल की अध्यक्षता में हुई बैठक में बड़ा बाग का प्रबंधन करने वाली संस्था औकाफ-ए-शाही के आजम अली खान और पूर्व सचिव अनवार मो. खान ने एसडीएम रविशंकर राय और मेट्रो के अधिकारियों के साथ बैठक में अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि हम जमीन देने को राजी नहीं हैं। उनका यह भी कहना है कि यह शहर का पर्यटन स्थल है। औकाफ-ए-शाही की ओर से कहा गया कि यह स्थान भोपाल की जल विरासत है। मुख्यमंत्री यादव की परिकल्पना के अनुसार इसे सांस्कृतिक पर्यटन के रूप में विकसित किया जाना है। इसके चलते जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत यहां तकरीबन 5 करोड़ रुपए खर्च हुए हैं।

दरअसल, यहां करीब आधा एकड़ में 60 फुट गहरी ऐतिहासिक बावड़ी और दो मकबरे हैं। कहा जाता है कि मकबरे अपने समय की असाधारण शिल्पकला और इंजीनियरिंग विशेषज्ञता का प्रमाण हैं और यहां खुदाई से इन संरचनाओं को नुकसान होगा। इस मामले मे लंबी चर्चा में दोनों पक्षों ने अपनी बात रखी है। इसके बाद में बोर्ड अध्यक्ष सनवर पटेल की सलाह पर दोनों पक्षों ने बड़ा बाग का मुआयना भी किया। एसडीएम रविशंकर राय और मेट्रो अधिकारियों ने कहा कि दोबारा मुआयना किया जाएगा।

रेलवे मेंटेनेंस के चलते लिया निर्णय

हावड़ा-भोपाल ट्रेन की एक-एक ट्रिप निरस्त, 15 और 17 सितंबर को नहीं चलेगी ट्रेन

भोपाल दोपहर मेट्रो

पश्चिम मध्य रेलवे से हावड़ा के बीच सफर करने वाले यात्रियों के लिए अहम खबर है। रेलवे ने पूर्व रेलवे के आसनसोल मंडल अंतर्गत दुर्गापुर स्टेशन पर प्री-एनआई और एनआई कार्य के चलते हावड़ा-भोपाल-हावड़ा एक्सप्रेस की एक-एक ट्रिप को निरस्त करने का निर्णय लिया है। यह निर्णय अधोसंरचना विकास कार्य को देखते हुए लिया गया है, जिससे यात्रा पर असर पड़ेगा।

रेलवे ने यात्रियों से अपील की है कि वे यात्रा से पूर्व अपनी गाड़ी की स्थिति की जानकारी के लिए एनटीईएस ऐप या 139 हेल्पलाइन का उपयोग करें, ताकि असुविधा से बचा जा सके। रेलवे प्रशासन का कहना है कि यह निर्णय यात्रियों की दीर्घकालिक सुविधा और संचालन क्षमता बढ़ाने के लिए आवश्यक था। कार्य पूर्ण होने के बाद इस रूट पर संचालन और अधिक सुरक्षित और सुचारु होगा।

रेलवे से मिली जानकारी के अनुसार

- गाड़ी संख्या 13025 हावड़ा-भोपाल एक्सप्रेस दिनांक 15 सितंबर 2025 को हावड़ा से रवाना नहीं होगी। यह ट्रेन अपनी यात्रा की शुरुआत के दिन ही रद्द रहेगी।
- गाड़ी संख्या 13026 भोपाल-हावड़ा एक्सप्रेस दिनांक 17 सितंबर 2025 को भोपाल से रवाना नहीं होगी। यह ट्रेन भी अपनी शुरुआती यात्रा की तारीख को निरस्त की गई है।

सेवा सदन और भोपाल उत्सव मेला समिति का अभियान

151 मरीजों की आंखों की जांच 37 मोतियाबिंद के होंगे फ्री ऑपरेशन

हिरदाराम नगर। भोपाल के गौतम नगर स्थित आर्य भवन में सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय और भोपाल उत्सव मेला समिति ने मिलकर एक निःशुल्क नेत्र परीक्षण और मोतियाबिंद ऑपरेशन शिविर का आयोजन किया। इस शिविर का शुभारंभ समिति के पदाधिकारियों और सेवा सदन के ट्रस्टी द्वारा देवी-देवताओं की पूजा-अर्चना के साथ किया गया। शिविर में कुल 151 रोगियों की आँखों की जाँच की गई, जिनमें 92 पुरुष और 59 महिलाएँ शामिल थीं। जाँच के दौरान 37 रोगियों में मोतियाबिंद की पुष्टि हुई, जिन्हें सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय में निःशुल्क भर्ती कर इलाज,

भोजन, फल, दूध और दवाइयों की सुविधा दी गई है। सोमवार को वरिष्ठ नेत्र चिकित्सक इन रोगियों के ऑपरेशन करेंगे। अन्य रोगियों को मुफ्त दवाएँ दी गईं और उनके रक्तचाप व मधुमेह की जाँच भी की गई।

सिंधी मेला समिति की कुकिंग प्रतियोगिता का दूसरा दिन

2000 महिलाओं ने कला का किया प्रदर्शन

हिरदाराम नगर। सिंधी मेला समिति द्वारा आयोजित कुकिंग कॉम्पिटिशन के दूसरे दिन रविवार को भी महिलाओं ने अपनी सिंधी पाक कला का प्रदर्शन किया। कई लज़ीज़ व्यंजन तैयार किए गए। यह प्रतियोगिता संतनगर, पंचवटी, बावड़िया कला, गांधी नगर, ईदगाह, साकेत नगर, सोनागिरी के साथ-साथ सीहोर, गंजबसौदा, हरदा और विदिशा में भी आयोजित की गई, जिसमें कुल 2000 महिलाओं ने हिस्सा लिया। समिति के अध्यक्ष मनीष दरयानी और महासचिव नरेश तलरेजा ने बताया कि रविवार को 10 अलग-अलग स्थानों पर इस प्रतियोगिता का आयोजन किया

गया था। संतनगर में 472 महिलाओं ने प्रतियोगिता में भाग लिया। यहां दो केंद्र बनाए गए थे, ठाकुर आसनदास धर्मशाला में 220 महिलाओं ने, और एच वार्ड स्थित झूलेलाल मंदिर में 252 महिलाओं ने अपनी पाक कला का प्रदर्शन किया। इन दोनों केंद्रों पर दिव्या दरियानी, भावना जगवानी, पिंकी ललवानी, चेतना वाधवानी, सुनीता कालरा, ऋतु कुकरेजा, इंदु वासवानी और रश्मि तलरेजा ने निर्णायक की भूमिका निभाई।

मट्रो एंकर

आयोग ने सरकार को दिया प्रस्ताव

जिला, संभागों की सीमा निर्धारित करने आईआईपीए की मदद

भोपाल दोपहर मेट्रो

प्रदेश में संभाग, जिला, तहसील व विकासखंडों की सीमा नए सिरे से तय करने में इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन (आइआइपीए) तकनीकी मदद करेगा। अब तक यह काम केवल मध्यप्रदेश प्रशासनिक इकाई पुनर्गठन आयोग (आइआइपीएएमपीएयूआरसी) कर रहा था। आयोग ने इसके लिए सरकार के सामने प्रस्ताव रख दिया है। संभवत- अनुमति मिलना तय है।

उल्लेखनीय है कि अभी आयोग के पास तीन सदस्य है। इनमें सेवानिवृत्त एसीएस एसएन मिश्रा, सेवानिवृत्त आइएएस अक्षय सिंह और सेवानिवृत्त आइएएस मुकेश कुमार शुक्ला शामिल है। अभी

आयोग के पास अध्यक्ष नहीं है। उधर आयोग ने ऑनलाइन माध्यम से भी सुझाव मांगने शुरू कर दिए हैं इसके लिए आइआइपीएएमपीएयूआरसी पोर्टल पर पब्लिक एप्लीकेशन नामक विकल्प है। जिसके जरिए किसी भी प्रशासनिक इकाई की भौतिक सीमा से जुड़े सुझाव दिए जा सकते हैं।

आईआईपीए लेगा आधुनिक तकनीक की मदद- अधिकारियों का कहना है कि आईआईपीए सेटेलाइट इमेजनरी, ड्रोन सर्वे समेत अन्य माध्यमों से सर्वे करेगा। इस आधार पर आयोग को तकनीकी रिपोर्ट देगा। आयोग भी आम नागरिकों व जनप्रतिनिधियों के सुझाव पर प्रशासनिक इकाईयों की जरुरतों के आधार पर उक्त रिपोर्ट को परखेगा फिर सरकार के सामने पेश करेगा।

20 जिलों में बैठक, अगली 30 को

राजस्व विभाग के अधिकारियों का कहना है कि आयोग ने काम शुरू कर दिया है, 20 जिलों में अब तक अधिकारी पहुंच चुके हैं। अगली बैठक शाजापुर में 30 जुलाई को प्रस्ताव है। पोर्टल पर सुझाव मांगे जाने लगे हैं। जनप्रतिनिधि भी आयोग के कार्यालय पहुंचकर अपने-अपने क्षेत्रों की जानकारी साझा कर रहे हैं। दूसरी तरफ प्राथमिक आधार पर संकलित किए गए डेटा का मिलान भी शुरू कर दिया है। लेकिन यह सब पर्याप्त नहीं है। आगे तकनीकी दक्षता के साथ काम करना होगा, इसलिए आइआइपीए जैसे संस्थानों की मदद लेने पर विचार किया जा रहा है।

हरदा राजपूत छात्रावास बल प्रयोग: एएसपी, एसडीएम, एसडीओपी व दो टीआई को हटाकर जिले से बाहर भेजा, जांच रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई

अंततः सरकार ने माना, कार्रवाई करने में नहीं बरती गई संवेदनशीलता

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

सरकार ने हरदा राजपूत छात्रावास के अंदर बल प्रयोग मामले में स्थानीय प्रशासन की लापरवाही मानते हुए पुलिस और जिला प्रशासन के 5 अफसरों को हटाकर जिले से बाहर भेज दिया है। हटाए गए अफसरों में एएसपी आरडी प्रजापति, एसडीएम कुमार शानू देवडिया, एसडीओपी अर्चना शर्मा, कोतवाली टीआई प्रहलाद मसकोले और ट्रैफिक टीआइ संदीप सोनेश शामिल है। इन पांचों पर आरोप हैं कि इन्होंने कार्रवाई करने में संवेदनशीलता का परिचय नहीं दिया, चाहते तो स्थिति को और अच्छे से संभाला जा सकता था। बल प्रयोग की घटना 13 जुलाई की है, जिसके 15वें दिन रविवार शाम को कार्रवाई की है।

उल्लेखनीय है कि हरदा कोतवाली में पुलिस ने मोहित वर्मा समेत अन्य दो के खिलाफ व्यक्तिगत धोखाधड़ी का केस दर्ज किया है, मामले में आरोपियों को गिरफ्तार

कर 12 जुलाई को न्यायालय में पेश किया जा रहा था तब फरियादी सुनील राजपूत व अन्य लोग आरोपियों को उनके हवाले करने की जिद करने लगे। इसको लेकर पुलिस व संबंधितों के बीच कहा–सुनी हो गई। पुलिस का आरोप है कि संबंधितों ने आरोपियों को छुड़ाने के प्रयास किए। इस आधार पर संबंधितों के खिलाफ अपराध दर्ज किया गया, जिसके बाद विवाद और बढ़ा और सुनील के समर्थक एकत्रित होने लगे। कई लोग राजपूत छात्रावास में जुटे, पुलिस व प्रशासन दल-बल के साथ पहुंचा और लोगों को छात्रावास से बाहर करने की सूचना दी, लेकिन मामला शांत होने की बजाए और गंभीर हो गया। पुलिस छात्रावास के अंदर दाखिल हो गई। जिसके बाद पुलिस द्वारा बल प्रयोग करते हुए के वीडियो सामने आए। इससे राजपूत समाज व करणी सेना से जुड़े कई लोग नाराज हो गए, अफसरों पर कार्रवाई की मांग करने लेंगे। हरदा में मौन जुलूस भी निकाला गया था।

हरदा से हटाकर इन अफसरों को यहां भेजा

- आरडी प्रजापति, सहायक पुलिस महानिरीक्षक, पुलिस मुख्यालय भोपाल
- कुमार शानू देवडिया- अवर सचिव, सामान्य प्रशासन (पूल), भोपाल
- अर्चना शर्मा, एसडीओपी- उप पुलिस अधीक्षक, पुलिस मुख्यालय, भोपाल
- प्रहलाद मसकोले, कोतवाली टीआई- आइजी कार्यालय, नर्मदापुरम
- संदीप सोनेश, ट्रैफिक टीआइ, आइजी कार्यालय, नर्मदापुरम

उच्च शिक्षा विभाग द्वारा प्रदेश के 1200 निजी और सरकारी कॉलेजों में प्रवेश के लिए कराई गई काउंसलिंग

पिछले साल की अपेक्षा पीजी में 35 हजार कम प्रवेश, 1.15 लाख सीटें रह गई खाली

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

प्रदेश के 1200 निजी और सरकारी कॉलेजों में प्रवेश के लिए उच्च शिक्षा विभाग की प्रक्रिया समाप्त हो गई है। इस बार स्नातकोत्तर (पीजी) में गत वर्ष की अपेक्षा वर्तमान सत्र में 35 हजार कम प्रवेश हुए हैं। दो केंद्रीय काउंसलिंग और सीएलसी में पीजी में करीब 80 हजार प्रवेश ही हुए हैं।

1200 निजी और सरकारी कॉलेजों में पीजी की एक लाख 95 हजार सीटें हैं। अभी तक करीब एक लाख 15 हजार सीटें रिक्त बनी हुई हैं। विभाग ने 78 हजार पीजी की सीटों पर आवंटन किया गया था। महज पचास फीसदी विद्यार्थी ही अंतिम तिथि तक प्रवेश लेने के लिए पहुंच सके हैं। शेष पचास फीसदी विद्यार्थियों को पीजी का अलाटमेंट रास नहीं आया है, जिसके विद्यार्थियों ने प्रवेश लेने से सीट को छोड़ना बेहतर समझा है। विभाग अब पीजी में प्रवेश नहीं देगा। एक लाख 15 हजार सीटें अब पूरे सत्र में रिक्त ही बनी रहेंगी।

पचास हजार से ज्यादा सत्यापित विद्यार्थी प्रवेश से वंचित

विभागीय अधिकारियों का कहना है गत वर्ष काउंसलिंग सितंबर तक आयोजित हुई थी, जिसके कारण प्रवेश का ग्राफ बढ़ा हुआ था। वर्तमान में प्रवेश 25 जुलाई को रोक दिए गए, जिसके कारण विद्यार्थी प्रवेश नहीं ले पाए हैं। अभी तक पचास हजार से ज्यादा पंजीकृत और सत्यापित विद्यार्थी प्रवेश से वंचित बने हुए हैं। प्रदेश के कॉलेजों में इस बार यूजी की भी लगभग 3 लाख सीटें खाली रह गई हैं। प्रदेश में यूजी ककी लगभग 5 लाख 55 हजार सीटें हैं। इसमें से अभी भी 3 लाख से ज्यादा सीटें रिक्त हैं। उक्त सीटों पर प्रवेश देने के लिए विभाग 31 जुलाई तक ओपन सीएलसी से प्रवेश करा रहा है। हर दिन रिक्त सीटों की जानकारी पोर्टल पर अपलोड की जाएगी। 31 जुलाई तक विद्यार्थी सीधे कालेजों में उपस्थित होकर प्रवेश ले पाएंगे। हर दिन विद्यार्थी तीन बजे तक पंजीयन कर पाएंगे और चार बजे तक हेल्प सेंटर पर पहुंचकर सत्यापन कराएंगे। शाम पांच बजे मेरिट जारी की जाएगी। मेरिट जारी करने के बाद विद्यार्थी को 24 घंटे में फीस जमा करना होगी। फीस जमा नहीं करने की दशा में प्रवेश अमान्य मानते हुए निरस्त कर दिया जाएगा।

एनसीटीई कोर्स में 60 हजार प्रवेश

एनसीटीई कोर्स बीएड, बीपीएड, एमएड, एमपीएड, बीएडएमएड, आईटीईपी, बीएलएड, अंशकालीन बीएड और राज्य शिक्षा केंद्र के बीएड की सीटों पर प्रवेश देने के लिए काउंसलिंग पर शनिवार को विराम लगा दिया है। इसमें लगभग 60 हजार से ज्यादा छात्रों ने प्रवेश लिया है। एनसीटीई कोर्स में प्रवेश लेने के लिए विद्यार्थियों को 23 से 25 जुलाई तक आवंटित हेल्प सेंटर पर मूल दस्तावेज, टीसी, माइग्रेशन के साथ भौतिक सत्यापन के लिए उपस्थित होकर लिंक एनिशिएट करा लिया था, लेकिन शनिवार को कई विद्यार्थियों की लिंक ओपन नहीं होने के कारण प्रवेश नहीं ले सके।

प्रबंधन ने परीक्षा का रिजल्ट किया तैयार, दो दिन में होगा जारी

एनसीटीई ने भोज विवि की बीएड कोर्स की मान्यता की बहाल

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

राष्ट्रीय शिक्षक शिक्षा परिषद (एनसीटीई) ने भोज मुक्त विश्वविद्यालय की बीएड कोर्स की मान्यता बहाल कर दी है। रजिस्ट्रार भोज मुक्त विश्वविद्यालय सुनील मंडेरिया के अनुसार, एनसीटीई ने बीएड कोर्स की मान्यता बहाल कर दी है। परीक्षा का रिजल्ट तैयार हो चुका है। एक दो दिन में रिजल्ट भी जारी कर दिया जाएगा। उल्लेखनीय है कि दो माह पूर्व भोज मुक्त विश्वविद्यालय की बीएड और बीएलएड की मान्यता को निरस्त कर दिया था। क्योंकि भोज विवि ने परफॉर्मेंस अप्रेजल रिपोर्ट (पीएआर) एनसीटीई को नहीं भेजी गई थी। विश्वविद्यालय प्रशासन के मुताबिक अगले माह से एडमिशन के लिए काउंसलिंग प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी। जानकारी के मुताबिक भोज मुताबिक विवि की बीएड और डीएलएड कोर्स की कुल दो हजार सीटों के लिए करीब नौ हजार 600 से अधिक विद्यार्थियों ने आवेदन किए थे। प्रवेश के लिए उक्त विद्यार्थियों का एंट्रेंस एग्जाम भी हो चुका है। लेकिन अब तक रिजल्ट जारी नहीं हुए हैं। विश्वविद्यालय

प्रशासन में एक दो दिन में परीक्षा के रिजल्ट जारी होने की संभावना है। हालांकि मान्यता निरस्त होने पर विभाग की समन्वयक डॉ. हेमलता दिनकर को निलंबित किया गया है। वहीं प्रो एलपी झारिया को नोटिस दिए गए हैं।

नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री

डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

शुभारंभ

28 जुलाई 2025, अपराह्न 1:30 बजे
सेंट्रल हॉल विधान सभा भवन

सदानीरा
जल गंगा संवर्धन
अभूतपूर्व उपलब्धियाँ

गरिमामय उपस्थिति
डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री
नरेन्द्र सिंह तोमर
अध्यक्ष, विधान सभा

प्रदर्शनी
- मध्यप्रदेश में जल गंगा संवर्धन अभियान
- जलचर - जलीय जीवन के प्राणतत्व
- मध्यप्रदेश की बावड़ियाँ
- उपग्रह की नज़र से प्रदेश की प्रमुख जल संरचनाएँ
- अमृतस्य नर्मदा

मध्यप्रदेश विधान सभा के मानसून सत्र में
जल गंगा संवर्धन अभियान की
अभूतपूर्व उपलब्धियों की
विशेष रूप से संयोजित प्रदर्शनियाँ

वीरभारत न्यास

मध्यप्रदेश शासन, संस्कृति विभाग का आयोजन
सहयोग - जनसंपर्क विभाग • म.प्र. विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद्
संचालनालय पुरातत्व, अभिलेखागार और संग्रहालय • बरकतउल्ला विश्वविद्यालय

D-11073/25

संपादकीय

नस्लीय भेदभाव का विस्तार

ऐसा बार-बार नहीं होना चाहिए, मगर होता है, यही विडंबना है। मामला भारतीयों पर विदेशों में हमलों या नस्लीय भेदभाव का है। हालांकि विश्व भर में किसी समाज के विकास को आधुनिकता के आईने में देखने की अपेक्षा की जाती है, उसमें कई बार कुछ घटनाएं इस कसौटी पर बहुस्तरीय नाकामी को रेखांकित कर जाती हैं। हालांकि ऐसी सामाजिक प्रवृत्तियों का सिरा ढूंढना मुश्किल है, जिसमें एक ओर कोई समाज सभ्यता के मानदंडों पर अन्य के मुकाबले अपने श्रेष्ठ होने का दंभ भरे, लेकिन वहीं कुछ लोगों का व्यवहार ऐसा भी हो जो उनके दुराग्रहों और कुंठाओं से भरे होने का सूचक हो। दरअसल हाल में आस्ट्रेलिया के मेलबर्न में एक हिंदू मंदिर और दो एशियाई रेस्तरां की दीवारों को नस्लवादी भित्तिचित्रों से विकृत कर दिया गया और नस्ली नफरत फैलाने वाली बातें लिखी गईं। खबरों के मुताबिक, स्थानीय पुलिस ने इस घटना की पुष्टि जरूर की और कहा कि हमारे समाज में घृणा आधारित और नस्लवादी व्यवहार के लिए बिल्कुल जगह नहीं है। यानी जिन लोगों ने नस्ली नफरत फैलाने की कोशिश की, उन्हें स्थानीय स्तर पर कोई व्यापक समर्थन नहीं है। इसके बावजूद अक्सर ऐसी घटनाएं होते रहने की खबरें बताती हैं कि वहां ऐसे तत्त्व भी हैं, जो आस्ट्रेलिया की सामाजिक विकास नीतियों में मौजूद कमियों के सूचक हैं। भारतीय और एशियाई पहचान के लोगों को लक्ष्य बना कर मेलबर्न में इस तरह नस्लीय दुराग्रहों का प्रदर्शन कोई अकेली घटना नहीं है। पिछले कुछ वर्षों से आस्ट्रेलिया में ही इसी प्रकृति की कई घटनाएं सामने आती रही हैं। इसके अलावा, कनाडा, ब्रिटेन, अमेरिका, न्यूजीलैंड और अन्य कुछ देशों में भी भारतीय पहचान के लोगों पर नस्ली हमले हुए, घृणा से भरी टिप्पणियां की गईं और प्रत्यक्ष रूप से अपमानित करने की कोशिश की गई। ऐसे अनेक वाकये हैं, जिनमें किसी व्यक्ति ने बिना किसी कारण के सिर्फ भारतीय पहचान के आधार पर जानलेवा हमला किया। सवाल है कि ऐसी आक्रामकता का स्रोत क्या है? आखिर क्या वजह है कि हाल के वर्षों में अलग-अलग देशों में भारतीयों के प्रति इस तरह के हमलों में इजाफा हुआ है? जिस दौर में भारत अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अहम मुद्दों के मामले में अपना मजबूत दखल देता दिख रहा है, उसमें भारतीय लोगों और उनकी आस्था को चोट पहुंचाने की घटनाओं पर बात सिर्फ चिंता जाहिर करने तक क्यों सिमट कर रह जाती है। क्या इसे कूटनीतिक मोर्चे पर एक नाकामी के तौर पर देखा जाए कि संबंधित देशों की सरकारें अपने यहां भारतीयों के प्रति नस्लवादी नफरत फैलाने वाले तत्त्वों के खिलाफ सख्त कार्रवाई नहीं करतीं और इसीलिए ऐसी घटनाएं होती रहती हैं। यह समझना मुश्किल है कि जिन देशों को वैश्विक स्तर पर विकसित देशों की श्रेणी में माना जाता है, वहां इस तरह की स्थिति क्यों बनी हुई है, जिसमें कुछ लोग नस्लवादी पूर्वाग्रहों से भरे हुए हैं और किसी अन्य पहचान वाले लोगों या समुदायों को कमतर मान कर उनके साथ अमानवीय तरीके से पेश आते हैं। सवाल है कि प्रतिगामी धारणाओं या मनोग्रंथियों से भरा हुआ कोई व्यक्ति या समाज सभ्य और आधुनिक होने की कसौटी पर खुद को किसी से श्रेष्ठ कैसे मान सकता है। दरअसल, नस्लवादी दुराग्रहों से भरे हुए कुछ लोग इस पहलू पर विचार करने की भी कोशिश नहीं करते और उनकी हरकतों से उपजे सवालों का जवाब दूसरे लोगों को देना पड़ता है। नस्लीय कुंठाओं में डूबे रहने के नतीजे में किसी व्यक्ति या समूह के भीतर जिस तरह की आक्रामकता और हिंसा का विस्तार होता है, उसका खमियाजा एक साथ कई पक्षों को भुगतना पड़ रहा है।

दुनियां में जो इतनी बुराई फैली हुई है उसका दोष केवल बुरा काम करने वालों पर ही नहीं है बल्कि दोष उन अच्छे आदमियों का भी है जो बुरे काम करने वालों की खुशामद करने और उन्हें खुश करने के लिए सदा तैयार रहते हैं।

- लुई फिशर

आज का इतिहास

- 1165 - इब्ने अरबी - अरबी के प्रसिद्ध सूफ़ी कवि, साधक और विचारक का जन्म दिवस।
- 1858 - ब्रिटिश विलियम जेम्स हर्शेल - इन्होंने ही उंगलियों के निशान को पहचान बनाया था का जन्म दिन।
- 1909 - कासू ब्रह्मानंद रेड्डी - भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के राजनीतिज्ञ थे, जो आंध्र प्रदेश के सीएम रहे का जन्म दिन।
- 1914 - प्रथम विश्व युद्ध की शुरुआत हुई।
- 1925 - बारुक ब्लूमबर्ग - जिन्होंने हेपेटाइटिस के टीके की खोज की। उनके सम्मान में आज विश्व हेपेटाइटिस दिवस मनाया जाता है का जन्म दिवस।
- 1927 - रामेश्वर ठाकुर - भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के नेता और उड़ीसा, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक तथा मध्य प्रदेश के भूतपूर्व राज्यपाल का जन्म दिवस।
- 1933 - तरलोचन सिंह - दुनिया भर में सिक्ख समुदाय के हक और बेहतरी के लिए जाने जाते है का जन्म दिवस।
- 1936 - गारफील्ड सोबर्स, वेस्ट इंडियन क्रिकेटर का जन्म दिवस।
- 1957 - अनिल जनविजय - हिन्दी के कवि, लेखक और रूसी तथा अंग्रेज़ी भाषाओं के साहित्य अनुवादक का जन्म दिन।
- 1971 - अबू बकर अल-बगदादी, आतंकी संगठन इस्लामिक स्टेट का नेता का जन्म दिवस।
- 1972 - आयशा जुलका, अभिनेत्री का जन्म दिवस।
- 1976 - चीन में 8.3 रिक्टर पैमाने पर तेज भूकंप आया था, जिसमें लाखों लोगों की जान गई थी।
- 1979 - चौधरी चरण सिंह - भारत के 5वें प्रधानमंत्री का जन्म दिवस।
- 1995 - वियतनाम आसियान का सदस्य बना।
- 2001 - पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री मोहम्मद सिद्दिकी ख़ान कंजू की हत्या।
- 2004 - इराक के बाकूबा शहर में एक पुलिस भर्ती केन्द्र में विस्फोट से 68 लोगों की मृत्यु।
- 2005 - सौरमंडल के दसवें ग्रह की खोज करने का दावा।
- 2005 - आयरिश रिपब्लिकन आर्मी (आईआरए) ने अपने सशस्त्र अभियान को आधिकारिक तौर पर बंद करने की घोषणा की।
- 2007 - पाकिस्तान सरकार ने विवादास्पद लाल मस्जिद को अनिश्चितकाल तक बन्द करने की घोषणा की।
- 2008 - निर्गुट देशों की मंत्री स्तरीय बैठक में भाग लेने के लिए भारत के विदेशमंत्री प्रणव मुखर्जी तेहरान रवाना हुए।

विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस पर विशेष

प्रकृति पुकार रही है, संरक्षण नहीं, अब सहभागिता चाहिए

■ ललित गर्ग

हर वर्ष 28 जुलाई को मनाया जाने वाला विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस हमें प्रकृति, पर्यावरण एवं सृष्टि के संतुलन एवं संरक्षण के लिये प्रेरित करता है। प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के महत्व को उजागर करते हुए यह दिन हमें प्रकृति के साथ अपने संबंधों पर विचार करने और एक स्थायी भविष्य की दिशा में कदम उठाने का आग्रह करता है। यह इस बात को मान्यता देता है कि एक स्वस्थ एवं संतुलित समाज की नींव ही एक स्वस्थ पर्यावरण है। हम प्रकृति के केवल उपयोगकर्ता नहीं, बल्कि उसके संरक्षक भी हैं। इस दिवस की वर्ष 2025 की थीम-प्रकृति के साथ सामंजस्य पुनर्स्थापित करें, पुनर्जीवित करें, पुनःकल्पना करें' है जो न केवल हमारे पर्यावरणीय कर्तव्यों को रेखांकित करती है, बल्कि यह एक गंभीर चेतावनी भी है कि यदि हम अब भी नहीं जागे, तो प्रकृति हमें अपने ढंग से जगाएगी और तब यह जागरण महंगा पड़ सकता है। थीम के अनुरूप 'पुनर्स्थापित' करना यानी प्रकृति को उसकी मूल अवस्था में लाना, 'पुनर्जीवित' यानी मृत या निष्क्रिय हो चुकी प्राकृतिक प्रणालियों को पुनर्जीवित करना और 'पुनःकल्पना' यानी एक ऐसे भविष्य की कल्पना करना जो सतत विकास, हरित ऊर्जा और मानव-प्रकृति सह-अस्तित्व पर आधारित हो। इस थीम का सार यह है कि हम केवल 'मदद' नहीं कर रहे, बल्कि प्रकृति के प्रति अपने दायित्वों को निभा रहे हैं, क्योंकि हमारी जीवनशैली ही प्राकृतिक संसाधनों की सबसे बड़ी उपभोक्ता रही है।

वर्तमान युग में औद्योगीकरण, अंधाधुंध शहरीकरण, वनों की कटाई, जल और वायु प्रदूषण, प्लास्टिक का अत्यधिक उपयोग और जलवायु परिवर्तन ने प्रकृति के संतुलन को बिगाड़ दिया है। हर साल लाखों एकड़ वन समाप्त हो जाते हैं, सैकड़ों प्रजातियां विलुप्त हो जाती हैं और प्राकृतिक आपदाएं लगातार बढ़ रही हैं। यह स्थिति न केवल जैव विविधता को नष्ट कर रही है, बल्कि मानव अस्तित्व पर भी सीधा खतरा बन चुकी है। भारत की प्रकृति चुनौतियां गंभीर है, एक चिन्ता है, एक संकट है, लगता है जैसे कुछ अधूरा है। क्योंकि आप न खुली साफ हवा में अपनी मर्जी से सांस ले सकते हैं और न पीने को शुद्ध जल प्राप्त कर सकते हैं। 2000वीं संसदीय रिपोर्ट बताती है कि भारत में करोड़ों लोग अभी भी स्वच्छ जल से वंचित हैं। रसायनयुक्त कृषि, प्लास्टिक प्रदूषण, माइनिंग प्रेरित जल प्रदूषण-इनसे नदियां, तालाब, भूजल, प्रकृति सभी दूषित हो रहे हैं। सतत जल सुरक्षा का अर्थ है हर परिवार को शुद्ध, पर्याप्त और सुलभ पानी मिलना चाहिए। शुद्ध हवा व शुद्ध जल कैंसर, हृदय-पक्षाघात, संक्रामक और पुरानी बीमारियों को रोकते हैं। स्वस्थ जीवनशैली और निरोगी समाज अर्थव्यवस्था के लिए उपजाऊ है। जीवन के तीन आधार तत्व हैं-हवा, पानी और धरती है। प्रकृति संरक्षा न केवल हमारी अस्तित्व-निर्भरता से जुड़ी है, बल्कि मानवता की नैतिक जिम्मेदारी भी है। आज का युग, जिस तेजी से विकसित हो रहा है, उसी भागदौड़ में प्रकृति पर तरह-तरह के आघात हो रहे हैं। रूस-यूक्रेन युद्ध, हमास-इजरायल युद्ध, थाईलैंड- कंबोडिया युद्ध, दिल्ली का

उच्च प्रदूषण सूचकांक, अमेरिका के जंगलों की धुएं से गंदली हवा, बढ़ता वाहन प्रदूषण-ये सब संकेत देते हैं कि प्रकृति दूषित हो रही है, क्रंदन कर रही है।

भारत एक समृद्ध जैव-विविधता वाला देश है, लेकिन यहां भी वनों की कटाई, नदियों का प्रदूषण, और ग्लेशियरों का पिघलना चिंताजनक स्तर पर पहुंच चुका है। हाल ही में उत्तराखंड, हिमाचल और पूर्वोत्तर राज्यों में आई जलवायु आपदाएं स्पष्ट संकेत हैं कि प्रकृति अब चेतावनी दे रही है। पर्यावरण संरक्षण केवल सरकारों या संगठनों की जिम्मेदारी नहीं, हर नागरिक का कर्तव्य है। हमें यह समझना होगा कि प्रकृति की रक्षा करके हम वास्तव में अपने भविष्य की रक्षा कर रहे हैं। प्रकृति संरक्षण की दिशा में कदम बढ़ाते हुए हमें सतत विकास को प्राथमिकता देनी होगी, जिसमें पर्यावरण, समाज और अर्थव्यवस्था में संतुलन बना रहे। पुनःवनीकरण और वृक्षारोपण को एक राष्ट्रीय अभियान बनाना होगा। सिंगल यूज प्लास्टिक को समाप्त करने के लिए सख्त कदम उठाने होंगे। स्थानीय पारिस्थितिक तंत्रों की सुरक्षा-जैसे जल स्रोत, जैव विविधता, मिट्टी की उर्वरता, हरित ऊर्जा-जैसे सौर और पवन ऊर्जा को प्रोत्साहन देना होगा। बच्चों और युवाओं में पर्यावरणीय चेतना विकसित करनी होगी।

प्रकृति एवं पर्यावरण की उपेक्षा के कारण विकास वरदान नहीं अभिशाप बन रहा है। वायु प्रदूषण जानलेवा साबित हो रहा है, गंगा-यमुना प्रदूषित हो चुकी है, जनता को पीने का शुद्ध पानी नहीं मिल रहा है, सड़के गड्ढों में तब्दील हो चुकी है। वनों का विनाश हो रहा है, पहाड बिखर रहे हैं, जहरीली हवा एवं वायु प्रदूषण से उत्पन्न दमघोटू माहौल का संकट जीवन का संकट बनने लगा हैं और जहरीली होती हवा सांसों पर भारी पड़ने लगी है। एयर क्वालिटी इंडेक्स यानी एक्यूआइ बहुत खराब की श्रेणी में पहुंच चुका है। दिल्ली के साथ देश के अन्य महानगरों की आबोहवा भी बच्चों और बुजुर्गों के लिए विशेष रूप से खतरनाक है। महानगरों की हवा में उच्च सांद्रता है, जो बच्चों को सांस की बीमारी और हृदय रोगों की तरफ धकेल रही है। शोध एवं अध्ययन में यह भी पाया गया है कि यहां रहने वाले 75.4 फीसदी बच्चों को घुटन महसूस होती है। 24.2 फीसदी बच्चों की आंखों में खुजली की शिकायत होती है। सर्दियों में बच्चों को खांसी की शिकायत भी होती है। बुजुर्गों का स्वास्थ्य तो बहुत ज्यादा प्रभावित होता ही है। सर्दियों के मौसम में हवा में घातक धातुएं होती हैं, जिससे सांस लेने में दिक्कत आती है। हवा में कैडमियम और आर्सेनिक की मात्रा में वृद्धि से कैंसर, गुर्दे की समस्या और उच्च रक्तचाप, मधुमेह और हृदय रोगों का खतरा बढ़ जाता है।

दुनिया भर में 2.2 बिलियन लोगों के पास सुरक्षित रूप से प्रबंधित पेयजल तक पहुंच नहीं है। आज जलवायु परिवर्तन के कारण ग्लेशियर पहले से कहीं अधिक तेजी से पिघल रहे हैं। अरबों लोगों के लिए पिघले पानी का प्रवाह बदल रहा है, जिससे बाढ़, सूखा, भूस्खलन और समुद्र का जलस्तर बढ़ रहा है। अनगिनत समुदाय और पारिस्थितिकी तंत्र विनाश के खतरे में हैं। कार्बन उत्सर्जन में वैश्विक कटौती तथा सिकुड़ते ग्लेशियरों के अनुकूलन के लिए स्थानीय रणनीतियां आवश्यक हैं। दुनिया की आबादी आठ अरब से अधिक हो चुकी है। इसमें से लगभग आधे लोगों को साल में कम से कम एक महीने पानी की भारी कमी का सामना करना पड़ता है। जलवायु परिवर्तन के कारण 2000 से बाढ़ की घटनाओं में 134 प्रतिशत वृद्धि हुई है और सूखे की अवधि में 29 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। पैकेट और बोतल बन्द पानी आज विकास के प्रतीकचिह्न बनते जा रहे हैं और अपने संसाधनों के प्रति हमारी लापरवाही अपनी मूलभूत आवश्यकता को बाजारवाद के हवाले कर देने की राह आसान कर रही है।

व्यक्तिगत पहल के रूप में प्रकृति के प्रति प्रेम को दर्शाते हुए जितना हो सके, प्राकृतिक संसाधनों का संयमित उपयोग करें। अपशिष्ट प्रबंधन, पुनः उपयोग, और रीसाइक्लिंग को अपनाएं। प्रत्येक वर्ष कम से कम एक वृक्ष लगाएं और उसका पालन करें। जल, वायु और ध्वनि प्रदूषण को कम करने की कोशिश करें। प्रकृति के प्रति एक सजग, संवेदनशील और समर्पित दृष्टिकोण अपनाएं। वर्ष 2025 का यह विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस हमें प्रकृति से नया रिश्ता बनाने का अवसर देता है, एक ऐसा रिश्ता जिसमें हम उपभोगकर्ता नहीं, बल्कि संरक्षक और सहयात्री बनें। यदि हम प्रकृति के साथ सामंजस्य स्थापित करते हैं, तो प्रकृति भी हमें जीवन, स्वास्थ्य, और समृद्धि प्रदान करेगी। प्रकृति हमारी माँ है, उसका अपमान नहीं, सम्मान करें; उसके घावों को और न बढ़ाएं, अब उन्हें मरहम दें। अब समय है पुनर्स्थापन, पुनर्जीवन और पुनःकल्पना के मंत्र को अपने जीवन में उतारने का, ताकि एक हरित, सुरक्षित और सुंदर पृथ्वी आने वाली पीढ़ियों को विरासत में दी जा सके। इसके लिये हर राजनीतिक दल एवं सरकारों को संवेदनशील एवं अन्तर्दृष्टि-सम्पन्न बनना होगा।

(साभार : यह लेखक के निजी विचार हैं)

नदी-तालाबों को राह देने से राहत की उम्मीद

■ पंकज चतुर्वेदी

बीती 10 जुलाई को करीब डेढ़ घंटे बरसात हुई और देश में साइबर सिटी और बड़े औद्योगिक घरानों के लिए मशहूर गुरुग्राम में कई-कई किलोमीटर लंबा जाम लग गया। सात लोग भी मारे गए। आश्चर्य है कि यह महानगर सालभर जल संकट से जूझता है, लेकिन बारिश होते ही दरिया बन जाता है। जहां सबसे महंगी ज़मीन है, वहीं सबसे ज़्यादा जलभराव होता है। आठ घंटे के जाम से गुरुग्राम को अनुमानत- सैकड़ों करोड़ रुपये का नुक़सान होता है। अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं का इस शहर पर भरोसा भी डगमगाने लगा है। नाले-सीवर साफ न होना जैसे कारण तो अमूमन देश के हर शहर को बरसात में लज्जित करते हैं, लेकिन गुरुग्राम के डूबने का असल कारण अलग है - नदी-तालाबों को गुम कर वहां कंक्रीट का जंगल खड़ा करना। अरावली की गोद में बसे इस शहर के पास नैसर्गिक रूप से इतनी जल निधियां थीं कि चाहे जितना पानी गिरे, उनमें ही भर जाये। सारे साल हर घर को पानीदार बना कर रखने की क्षमता थी। जब लोग गुस्साते हैं कि पानी हमारे घर-बस्ती में घुस गया, नदी-तालाब मौन रहकर 'कहते हैं' कि समाज ने हमारा घर उजाड़ कर कब्जा किया। करीब डेढ़ दशक पहले तक एक नदी बहा करती थी- साबी या साहबी नदी। जो जयपुर जिले की सेवर की पहाड़ियों से निकल कोटकासिम, धारूहेड़ा, बहरोड़, तिजारा, पटौदी और झज्जर होते हुए नजफगढ़ झील तक पहुंचती थी। नए गुरुग्राम में इसका प्रवाह घाटा, ग्वाल पहाड़ी, बहरामपुर, मेरावास, नंगली और बादशाहपुर तक फैला था, जहां इससे जुड़ी कई बड़ी झीलें थीं। कुछ स्थानों पर साहबी का पाट एक एकड़ तक चौड़ा था। आश्चर्य है कि गुरुग्राम की सीमा में इस नदी का कोई राजस्व रिकॉर्ड ही दर्ज नहीं है। करीब 15 साल पहले हुड्डा ने नदी के जलग्रहण क्षेत्र को 'आर-ज़ोन' घोषित कर दिया। इससे पहले इस क्षेत्र की ज़मीन कुछ किसानों के नाम दर्ज थी। आर-ज़ोन घोषित होते ही ज़मीन पर बिल्डरों की नज़र पड़ी और एक एकड़ की क़ीमत पचास लाख से बढ़कर पंद्रह करोड़ प्रति एकड़ तक हो गई। नदी मार्ग पर सेक्टर 58 से 65 तक कई कॉलोनियां और बहुमंजिला इमारतें खड़ी कर दी गईं। जब नदी के रास्ते

में निर्माण होगा, तो पानी इमारतों के आसपास जमा होगा ही।

असल में इस नदी के बहाव से कई तालाब जुड़े थे-जब नदी उफान पर होती तो तालाब भर जाते। गुरुग्राम में 1956 में 640 तालाब थे जो कि 1971 में 519 रह गये और आज बड़े मुश्किल से 251 बचे हैं, जिनमें से आधे ठीक करना सम्भव नहीं। थोड़ी-सी बरसात में ही गुरुग्राम के पानी-पानी होने और फिर सालभर बेपानी रहने का कारण केवल नदी और तालाबों का लुप्त होना नहीं, जमीन के लालच में कई अहम नाले हड़पना भी है। डीएलएफ फेज तीन से सिकंदरपुर, सुचाराली से पालम विहार व बादशाहपुर से खाडसा होते हुए नजफगढ़ वाला नाला भी गुम हो गया। इन तीनों की जल-ग्रहण क्षमता कई हजार घन मीटर थी। यह सारा पानी कारखानों, दफ्तरों के आगे सड़कों पर रुकता है। गुरुग्राम के दिल्ली की द्वारका की तरफ के इलाके में जल-भराव का मुख्य कारण उस विशाल जल-निधि का तहस-नहस होना है जो दिल्ली एनसीआर की प्यास बुझाने को अकेले ही काफी थी। दिल्ली-गुड़गांव अरावली पर्वतमाला के तले है और अभी सौ साल पहले तक इस पर्वतमाला पर गिरने वाली हर एक बूंद 'डाबर' में जमा होती थी। 'डाबर यानी उत्तरी-पश्चिम दिल्ली का वह निचला इलाका जो कि पहाड़ों से घिरा था। इसमें कई अन्य झीलों व नदियों का पानी आकर भी जुड़ता था। इस झील का विस्तार एक हजार वर्ग किमी था जो आज गुड़गांव के सेक्टर 107, 108 से लेकर दिल्ली के नए हवाई अड्डे के पास पप्पनकलां तक था। इसमें कई नहरें व सरिता थीं।

आज दिल्ली के भूजल प्रदूषण का बड़ा कारक बना नजफगढ़ नाला कभी जयपुर के जीतगढ़ से निकल कर अलवर, कोटपुतली, रेवाड़ी व रोहतक होते हुए नजफगढ़ झील व वहां से दिल्ली में साबी नदी के जरिये नजफगढ़ झील का अतिरिक्त पानी यमुना में मिल जाया करता था। साल 1912 के आसपास दिल्ली के ग्रामीण इलाकों में बाढ़ आई व अंग्रेजी हुकूमत ने नजफगढ़ नाले को गहरा कर पानी निकासी का जुगाड़ किया। इसके साथ ही नजफगढ़ झील के नाले में बदलने की दुखद कथा शुरू हो गई। सन 2005 में ही केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने नजफगढ़ नाले को देश के सर्वाधिक दूषित 12 वेट लैंड में से एक बताया था। प्रकृति के साथ लगातार छेड़छाड़ की कीमत महज इंसानों ने ही नहीं चुकायी, इस वेटलैंड में सदियों से बसने वाले कई जानवर, पक्षी ओर वनस्पति भी इसके शिकार हुए। जंगल या जल तब तक ही सुरक्षित रहता है जब तक उसमें जीव-जंतुओं की संख्या का संतुलन बना रहे। वहीं थोड़ी सी बारिश में ही निचले इलाके में झील को घेर कर बनी कॉलोनियों में पानी भर जाता है। नजफगढ़ नाले में पानी बढ़ने और दूसरी ओर यमुना में उफान आने से गुरुग्राम के फारूखनगर, दौलताबाद में यमुना के 'बैक वाटर' से बाढ़ के हालात बन जाते हैं। आज भी सामान्य बारिश में नजफगढ़ झील के 52 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में पानी भरता है। द्वारिका, छावला आदि इलाके में पर्याप्त दलदली जमीन है जहां ग्रेटर फ्लेमिंगो जैसे दुर्लभ प्रवासी पक्षी आते हैं। यानि प्रकृति व पानी को बचाया जाना चाहिये। यह कुछ घंटों का जाम तो खुल ही जाता है लेकिन जिस जल को बांध कर यह जाम उपजाया जा रहा है, वह बेशकीमती है और उसका मार्ग रोकने का अर्थ है सौभाग्य का रास्ता बाधित करना। यदि गुरुग्राम को वास्तव में जल-संकट- बाढ़ और सुखाड़ दोनों, से बचाना है तो नदी-नालों के पारंपरिक मार्गों को तलाश कर उन्हें उनके नैसर्गिक रूप में लौटाना अनिवार्य है।

(साभार : यह लेखक के निजी विचार हैं)

निशाना

टिप्पणी का काल !

चल रहा है आजकल ।
टिप्पणी का काल ।।
बोलना है कुछ भी ।
अब हमको हर हाल ।।
ना भाती खामोशी ।
करे भावना शोर ।।
हैं बैठे हम पद पर ।
करे कोई गौर ।।
शब्दों और विचारों की ।
है आई बहार ।।
करें प्राप्त कहीं भी ।
यही समाचार ।।
होकर शामिल मुहिम में ।
करें जरा उपकार ।।
टिप्पी हमारी ये ।
क्यों जानी बेकार ?

- कृष्णेन्द्र राय

सावन का तीसरा सोमवार...

कांवड़ यात्रा के बाद शिव का जलाभिषेक

नर्मदापुरम। सावन माह के तीसरे सोमवार को श्रद्धालुओं द्वारा कांवड़ यात्रा निकाली गई। मां नर्मदा कर पूजन अर्चन कर नर्मदा से जल लाकर प्राचीन बटुकेश्वर महादेव मंदिर में महाअभिषेक हुआ।

सावन की फुहारें, पचमढ़ी का नैसर्गिक सौंदर्य और नागद्वारी मेले में भक्तों का हुजूम

तीन लाख श्रद्धालुओं ने किए दर्शन कल नागपंचमी के बाद होगा समापन

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

सावन की फुहारें, पचमढ़ी का नैसर्गिक सौंदर्य और नागद्वारी मेले में भक्तों का हुजूम। सतपुड़ा की रानी इन दिनों इन तीनों के संगम से अलौकिक आस्था का केंद्र बनी हुई है। पचमढ़ी नगर से लेकर पद्मशेष नागद्वारा गुफा तक के रास्ते में पहाड़ों, पगडंडियों, चट्टानों, पहाड़ी नदियों, झरनों, गुफाओं सभी स्थानों पर हर- हर महादेव के जयकारे सुनाई दे रहे हैं। प्रशासन के अनुमान के मुताबिक इस मेले में अब तक तीन लाख से अधिक श्रद्धालु नागद्वारा गुफा के दर्शन कर चुके हैं। जिला पंचायत सीईओ एवं महादेव मेला समिति अध्यक्ष सोजान सिंह रावत, अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी नर्मदापुरम श्री डीके सिंह, एसडीएम पिपरिया एवं सचिव महादेव मेला समिति अनीशा श्रीवास्तव द्वारा अस्थाई बस स्टेण्ड, झंडा चौक, जलगली, कालाझाड आदि का निरीक्षण कर निरंतर व्यवस्थाओं का जायज़ा लिया जा रहा है। भक्तों को हर संभव मदद के लिए मौके पर उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निदेर्शित किया जा रहा है। सहायता के लिए कदम- कदम पर पुलिस एवं होमगार्ड के जवान तैनात हैं। स्वास्थ्य विभाग का अमला भी उपलब्ध है। मूसलाधार बारिश के चलते कई स्थानों पर रास्ते खराब हो जाने के कारण लोक निर्माण विभाग द्वारा जेसीबी मशीनों की सहायता से सड़कों एवं अन्य स्थान की मरम्मत कर उन्हें आवागमन के लिए सुगम बनाया जा रहा है। नागपंचमी मेले में महाराष्ट्र के अलग अलग जिलों से सेवा मंडल पचमढी पहुँचते हैं। इस वर्ष 44 मंडल अपनी सेवा देने पचमढी आये हैं। वन अभ्यारण के अंतर्गत होने के कारण पूरे साल उक्त स्थल बंद रहता है। नागपंचमी मेले के 10 दिवस पूर्व से ही इसे खोला जाता है।

श्रद्धालुओं को भोजन एवं रात्रि विश्राम की व्यवस्था

महाराष्ट्र से आने वाले सेवामंडल मेला अवधि से पांच दिन पूर्व ही दुर्गम स्थल जलगली, कालाझाड, चिंतामन, चित्रशाला, पश्चिम द्वार, स्वर्गद्वार, पंचमुखी द्वार, नागद्वार एवं काजरी में पहुँच कर पूर्व से ही श्रद्धालूओं के लिये निशुल्क भोजन एवं रात्रि विश्राम की व्यवस्था करते हैं। यह सेवा मंडल पूरे वर्ष भर नागपंचमी मेले के लिये सामग्री एकत्रित करते हैं, जिसमें सूखी सामग्री, राशन, सब्जियां बनाने हेतु बर्तन आदि एकत्रित कर पचमढी पहुँचते हैं। चिंतामण में लगने वाले भंण्डारों में से वर्ष 1968 से निरंतर लगने वाला चिंतामणी गिरी देव स्थान दशनामी ज्योत सेवा नागपुर सबसे पुराना है। मंडल के प्रमुख प्रशांत जी ने बताया कि यह सेवा मंडल लगभग 57 वर्षों से अपनी सेवाएं भक्तों को दे रहा है जिसमें नि :शुल्क गर्म भोजन एवं रात्रि विश्राम की व्यवस्था है। इसके अतिरिक्त एक मंडल भोजन के साथ बीमार भक्तों हेतु दवाएं भी रखता है। नागद्वार स्वामी सेवा ट्रस्ट के प्रमुख उमाकांत झाडे ने बताया कि उनका सेवामंडल भी विगत 35 वर्षों से अपनी सेवा दे रहा है। नागपंचमी के दिन मुख्य आरती के बाद सभी सेवा मण्डल पचमढ़ी पहुंचकर वहां से नागपुर लौट जाते हैं।

विद्यार्थियों को किया सम्मानित

इटारसी। शहर के प्रतिष्ठित कोचिंग संस्थान आर. के. इंस्टिट्यूट मे उत्कृष्ट विद्यार्थी सम्मान समारोह आयोजित किया गया। जिसमे स्पोकन इंग्लिश व बोर्ड परीक्षाओं कक्षा 10वी व 12वी में उत्कृष्ट परिणाम लाने वाले विद्यार्थियों को मैडल व सर्टिफिकेट से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि भाजपा नगर मण्डल अध्यक्ष राहुल चौरे एवं विशिष्ट अतिथि के रूप मे सभापति व पार्षद राकेश जाधव आदि उपस्थित रहे। राहुल चौरे ने बच्चों को जीवन मे विशिष्ट उपलब्धियाँ हासिल कर अपने माता पिता, गुरुजनों एवं नगर का नाम रौशन करने का आर्शीवाद दिया तथा सभापति राकेश जाधव ने बताया कि आर. के. इंस्टिट्यूट विगत कई वर्षो से अच्छा अध्यापन कराकर अपनी अच्छी सेवाएं दे रहा है। कई विद्यार्थी यहाँ से पढ़कर उच्चपदों पर सेवाएं दे रहे हैं।

राष्ट्रीय महामंत्री का किया स्वागत

इटारसी। आयुध निर्माणी इटारसी में राष्ट्रीय महामंत्री रविंद्र मिश्रा का एक दिवसीय प्रवास रहा। जहाँ पर स्थानीय कर्मचारियों के द्वारा उनका स्वागत किया गया। आयुध निर्माणी कर्मचारी संघ के कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए एनपीएस, यूपीएस, पे कमिशन, प्रसार भारती मॉडल, सर्विस कंडीशन और वर्तमान में भारतीय मजदूर संघ और भारतीय प्रतिरक्षा मजदूर संघ के द्वारा जो राष्ट्र हित उद्योग हित,कर्मचारी हित में जो कार्य किये जा रहे हैं उन विषयों पर प्रकाश डाला । साथ ही मुख्य महाप्रबंधक एवं प्रशासन के साथ शिष्टाचार बैठक हुई । महामंत्री कृष्ण शर्मा के द्वारा बताया गया कि इस अवसर पर संयुक्त सलाहकार परिषद तृतीय के सदस्य अमित बाजपेई, अध्यक्ष कुलदीप चौधरी, कार्यकारी अध्यक्ष नरेंद्र मेघवाल, योगेश पटेल,राजेश,रोशन, देवेंद्र चौधरी एवं अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कार्यकर्ताओं ने सुनी पीएम की मन की बात

गुना। हर सुबह के साथ जब सूरज उगता है, तो भारत केवल एक और दिन नहीं जीता, वह अपनी गौरवशाली परंपरा, वैज्ञानिक सोच और जनशक्ति की कहानी दोहराता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 124वें संस्करण में देशवासियों से संवाद करते हुए ऐसे ही प्रेरक विषयों को छुआ, जो आज के भारत की आत्मा को दर्शाते हैं।भारतीय जनता पार्टी जिला मुख्यालय पर भाजपा जिलाध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह सिकरवार ने रविवार को नगर मंडल गुना के शिवाजी शक्ति केंद्र स्थित बूथ क्रमांक 71 पर स्थानीय नागरिकजनों एवं कार्यकर्ताओं के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के ''मन की बात'' कार्यक्रम को सुना। ततपश्चात भाजपा जिला अध्यक्ष सिकरवार ने बूथ क्रमांक 71 से अध्यक्ष वरुण शिवहरे का माल्यार्पण कर उनका अभिनंदन किया।

मिलावट पर सख्ती: खाद्य सुरक्षा विभाग ने लिए खाद्य पदार्थों के सैंपल

गुना। दोपहर मेट्रो

कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल के निर्देश पर खाद्य सुरक्षा प्रशासन के मार्गदर्शन में विभाग की टीम ने कार्रवाई शुरू कर दी है। यह कार्रवाई रक्षा बंधन जैसे त्योहारों पर मिलावटी मिठाई और सामान से बचाने के लिए शुरू की गई है।इसी को लेकर खाद्य प्रतिष्ठानों की निरंतर जाँच एवं फूड सैंपलिंग की कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने हाईवे स्थित कालापहाड़, बीनागंज के पास स्थित शिवानी रेस्टोरेंट ढाबा का निरीक्षण कर पकौड़ी, बेसन एवं सोयाबीन तेल के सैंपल, आसमानी माता मंदिर के पास, चौधरी मोहल्ला, गुना स्थित आरती डेयरी एवं महाराज डेयरी से दूध, मावा, घी, श्रीराम कॉलोनी गुना स्थित गोपाल डेयरी एवं शिव दूध डेयरी एंड किराना दुकान से दूध, दही एवं घी के सैंपल जांच हेतु लेकर राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला को भेजे गए हैं। जांच रिपोर्ट आने पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जावेगी। निरीक्षण के दौरान खाद्य सुरक्षा अधिकारियों द्वारा खाद्य कारोबारियों को खाद्य सुरक्षा मानकों के तहत अपने-अपने संस्थान में साफ-सफाई एवं खाद्य पदार्थों के उचित रख-रखाव हेतु निर्देश दिये । बता दें कि कलेक्टर कन्याल के निर्देश पर मिलावट के विरूद्ध अभियान अंतर्गत खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा जिले में खाद्य प्रतिष्ठानों की जांच एवं सैम्पलिंग की कार्यवाही निरंतर जारी है।

मां नर्मदा के घाटों की साफ-सफाई कर दिया संदेश

नर्मदापुरम। मां नर्मदा के घाटों की साफ सफाई करना बड़ा पुण्य और पुनीत कार्य है । इसमें हम सभी को सहयोग करना चाहिए। मां नर्मदा हमारी प्रदेश की जीवन रेखा है और हमारे नर्मदा पुरम की शान है। घाटों से हमारे नगर की पहचान है इन्हें साफ सुथरा रखना हमारा फर्ज है । यह बात अखिल भारतीय कायस्थ समाज मातृशक्ति द्वारा चलाए गए स्वच्छता अभियान के दौरान शामिल हुए रेलवे विभाग के पुलिस अधिकारी संजय चौकसे ने कही। उन्होंने कहा कि मां नर्मदा हमारी जीवनदायनी है हमें घाटों को साफ सुथरा रखना चाहिए और गंदगी नहीं करना चाहिए। पौधरोपण कर बताया कि पेड़ पौधे पर्यावरण की रक्षा करते हैं और हमें जीवन देते हैं।

शादी के पहले की तस्वीर आई सामने, तो महिला ने खा लिया जहर, मौत

बैतूल। जिले में शादी से पहले की एक आपत्तिजनक तस्वीर जब शादी के 14 साल बाद सोशल मीडिया पर वायरल हुई तो महिला ने शर्मिंदगी में जहर खा लिया। परिजन ने उसे अस्पताल में भर्ती कराया जहां कुछ दिन तक चले इलाज के बाद आखिरकार महिला की मौत हो गई। परिजन के मुताबिक अस्पताल में इलाज के दौरान वो किसी का नाम बताना चाह रही थी लेकिन बोल नहीं पाई। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। बैतूल के चोपना थाना इलाके की रहने वाली एक 29 साल की महिला ने बीते दिनों को जहर खा लिया था। जहर खाने के बाद महिला की तबीयत बिगड़ी तो उसने परिजन ने अस्पताल में भर्ती कराया। जहां से उसे नागपुर रेफर किया गया था। नागपुर में कुछ दिन चले इलाज के बाद परिजन उसे बैतूल के अस्पताल लेकर लौट आए थे जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

नीलकंठेश्वर महादेव मंदिर में चोरी

गंजबासौदा। उदयपुर के प्राचीन नीलकंठेश्वर महादेव मंदिर में अज्ञात चोरों द्वारा मंदिर के गेट के ताले तोड़कर मंदिर में चोरी की वारदात को अंजाम दिया गया है। चोरी की सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन भी मौके पर पहुंच गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार रविवार सुबह जब पुजारी मंदिर की पूजा करने पहुंचे तो उत्तरी द्वार के ताले टूटे मिले और दान पेटी गायब मिली जिसके बाद मंदिर के पुजारी ने चोरी की जानकारी दी। सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और जांच पड़ताल शुरू कर दी।

रंगोली से बताया नशा नाश की जड़ है

गुना। पुलिस मुख्यालय के निर्देश पर प्रदेश भर में चलाए जा रहे नशा मुक्ति जनजागरूकता अभियान नशे से दूरी है जरूरी के अंतर्गत एसपी अंकित सोनी के निर्देश पर गुना पुलिस जिले के सभी थाना क्षेत्रों में निरंतर जागरूकता गतिविधियां आयोजित कर रही हैं। जिसका उद्देश्य आमजन विशेषकर युवा एवं विद्यार्थियों में नशे के प्रति चेतना जागृत कर एक स्वस्थ समाज की नींव रखना है। इसी के चलते रक्षित निरीक्षक पूजा उपाध्याय के नेतृत्व में सूबेदार मोनिका जैन के साथ गुना पुलिस लाईन स्थित दिशा लर्निंग सेंटर पर नशा मुक्ति विषय पर केंद्रित विभिन्न रचनात्मक प्रतियोगिताओं निबंध लेखन, भाषण, स्लोगन लेखन, स्केचिंग, पेंटिंग, रंगोली आदि प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। इस प्रतियोगिता में छात्र-छात्राओं द्वारा उत्साह पूर्वक भाग लेकर निबंध लेखन,भाषण, स्लोगन लेखन, स्केचिंग, पेंटिंग, रंगोली जैसी स्वनात्मक व सृजनात्मक अभिव्यक्तियों के जरिए नशे के दुष्प्रभावों को उजागर किया और नशा मुक्ति का संदेश दिया।

प्रतिभाओं को मेडल प्रदान कर किया सम्मानित

गंजबासौदा। मुस्लिम राष्ट्रीय मंच द्वारा इन्द्रेश कुमार वरिष्ठ प्रचारक राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के दिशा निर्देश पर पूरे राष्ट्र में कारगिल विजय दिवस, हरियाली अमावस्या व डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की पुण्यतिथि पर डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम यूथ अवॉर्ड कार्यक्रम आयोजित किए गए। इसी के तहत सेमरी मे भी ग्रामीण प्रतिभावान युवाओं ,विद्यार्थियों व बच्चों को मेडल पहनाकर कलम पेन भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए जिला पंचायत सदस्य गायत्री रघुवंशी ने कारगिल शहीदो को याद किया। कथावाचक वेदज्ञ धर्म शास्त्री पं अरविंद अवस्थी ने सभी युवाओ से राष्ट्र निर्माण मे अपना योगदान देकर भारत माता को पुनः विश्व गुरू के सिंहासन आरूण होने का संकल्प दिलाया व हरियाली अमावस्या सहित भारतीय पर्व त्यौहार का वैज्ञानिक महत्व समझाया। दीपक तिवारी ने युवाओ को कैरियर संबधी प्रश्नो के उत्तर दिऐ व पुलिस सेना मे कैसै जाऐ पर विस्तार से जानकारी दी। सुनील बाबू पिंगले ने हरियाली अमावस्या, कारगिल विजय दिवस व डा एपीजे अब्दुल कलाम के विषय मे विस्तार से बताकर सबका मार्गदर्शन किया साथ ही राष्ट्र सेवा के लिऐ मुस्लिम राष्ट्रीय मंच के कार्यो की सराहना की।

डॉ. अब्दुल कलाम यूथ अवॉर्ड कार्यक्रम

पार्थिव शिवलिंग पूजन से अकाल मृत्यु का भय समाप्त होता है

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

श्रीमद् जगदुरु रामानंदाचार्य स्वामी डॉ रामकमलाचार्य वेदान्ती जी महाराज द्वारा स्थापित वेदान्त आश्रम में चल रहे मासिक पार्थिव शिवलिंग अभिषेक पूजन अर्चन के महामहोत्सव में मुख्य यजमान सौरव सुहाने, रामनिवास मूंदड़ा व रामअवतार मूंदड़ा द्वारा पूजन संपन्न किया गया। आश्रम में आयोजित पंच दिवसीय झूलन महोत्सव के चतुर्थ दिवस रविवार को हरियाली तीज पर भजन संध्या का आयोजन हुआ।

वेदांत आश्रम में सावन के पावन मौके पर प्रतिदिन पार्थिव शिवलिंग का निर्माण किया जा रहा है जिसमें अलग-अलग यजमानों के द्वारा पूजन संपन्न कराई जाती है। आश्रम में अध्ययनरत वेदपाठी बटुक विद्यार्थियों के द्धारा भगवान शंकर की पार्थिव शिवलिंग का शुक्लयजुर्वेद के मंत्रों से पृथक पृथक पूजन एवं शुक्लयजुर्वेद में भगवान शिव को समर्पित विशेष दिव्य मंत्रों के सस्वर पाठ से भगवान का रुद्राभिषेक नित्य संपन्न कराया जा रहा है। हरियाली महोत्सव पर आयोजित शिवलिंग पूजन निर्माण के यजमान गणेशराम रघुवंशी ने सपरिवार मनकामेश्वर महादेव का भव्य एकादशनी रुद्राभिषेक किया। शिवपूजन के दौरान आश्रम के महंत हरिहरदास जी महाराज ने बताया कि कलयुग में कूष्माण्ड ऋषि के पुत्र मंडप ऋषि ने पार्थिव पूजन प्रारम्भ किया था। शिव महापुराण के अनुसार पार्थिव पूजन से धन, धान्य, आरोग्य और पुत्र की प्राप्ति होती है। वहीं मानसिक और शारीरिक कष्टों से भी मुक्ति मिल जाती है। पार्थिव पूजन से अकाल मृत्यु का भय समाप्त होता है। शिवपुराण में लिखा है कि पार्थिव पूजन सभी दुःखों को दूर करके सभी मनोकामनाएं पूर्ण करता है। भगवान श्री राम ने भी लंका पर विजय पाने व रावण के साथ युद्ध करने से पहले पार्थिव शिवलिंग की पूजा की थी। श्री राम द्वारा इस पूजा को करने के बाद उन्होंने लंका पर विजय प्राप्त की थी। न्याय के देवता शनिदेव ने भी सूर्य से अधिक शक्ति पाने के लिए काशी में पार्थिव शिवलिंग बनाकर भगवान महादेव की पूजा की थी। पूजन से सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं।

मेट्रो एंकर

रायसेन पुलिस एवं रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में मैराथन का आयोजन

नशे के खिलाफ 500 प्रतिभागियों लगाई दौड़, हुए सम्मानित

औबेदुल्लागंज। दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा 15 से 30 जुलाई तक चलाए जा रहे नशे से दूरी है ज़रूरी अभियान के तहत रविवार को सतलापुर में 3 किलोमीटर लंबी मैराथन दौड़ का आयोजन किया गया। इस आयोजन में रायसेन पुलिस एवं रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में 500 से अधिक लोगों ने भाग लिया। प्रतिभागियों में विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राएं, शिक्षकगण, अन्य कॉलेज एवं स्कूलों के विद्यार्थी शामिल थे। इस जागरूकता पहल के माध्यम से युवाओं को नशे के दुष्परिणामों के प्रति सचेत किया गया और समाज को नशामुक्त बनाने का संकल्प दोहराया गया। मैराथन के समापन अवसर पर पुलिस अधीक्षक पंकज कुमार पाण्डेय द्वारा सभी प्रतिभागियों को नशा मुक्ति की शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर शीला सुराना, एसडीओपी औबेदुल्लागंज, राजीव अग्रवाल, पूर्व अध्यक्ष मंडीदीप इंडस्ट्रियल एसोसिएशन, जलज चतुर्वेदी, जिला खेल अधिकारी रायसेन, ट्रैफिक पुलिस के अधिकारीगण एवं अन्य पुलिसकर्मी उपस्थित रहे। मैराथन के अंत में गर्ल्स कैटेगरी में पूनम विश्वकर्मा ने पहला, सोनम सिंह राजपूत ने दूसरा और निहारिका बरखेड़े ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। वहीं बॉयज़ कैटेगरी में अंकित पाल ने पहला, शेखर मीणा ने दूसरा और हरि किशन ने तीसरा स्थान हासिल किया। विजेताओं को पुरस्कृत किया गया।

मीटिंग में सिर झुकाए बैठे अफसरों से बोले सांसद

ठेकेदारों को इतना मत बचाओ कि तुम्हारा ही भविष्य खराब हो जाए

मंदसौर। दोपहर मेट्रो

सांसद सुधीर गुप्ता जिला पंचायत सभागृह में निगरानी एवं समन्वय समिति की बैठक के दौरान नाराज हो गए। बैठक के दौरान इंजीनियरों के कामों पर नाराजगी जताते हुए सांसद ने मौजूद इंजीनियरों व अफसरों से सवाल पूछे तो सभी सिर झुकाकर चुपचाप बैठे नजर आए। जिस पर सांसद गुप्ता ने साफ लफ्जों में अधिकारियों से कहा कि ,ठेकेदारों को इतना मत बचाओ कि तुम्हारा ही भविष्य खराब हो जाए। ,

बैठक के दौरान जल निगम के काम में हुई लापरवाही पर सांसद गुप्ता नाराज हो गए। उन्होंने बैठक के दौरान कहा- ऐसा कोई इंजीनियर हाथ खड़ा करे जो कि देशभक्त हो और जिसने गलत काम करने वाले ठेकेदार को टोककर उसे सही कराया हो। सांसद के इस सवाल पर बैठक में मौजूद पूरे जिले की निर्माण एजेंसियों के इंजीनियर सिर झुकाए बैठे रहे और किसी ने हाथ खड़ा नहीं किया। इस पर सांसद ने जल निगम के अधिकारियों पर ठेकेदारों को बचाने का आरोप लगाया। साथ ही उन्होंने कहा कि जैसा जल निगम में काम होना था वैसा हुआ नहीं, पूरी योजना को ही पलीता लगा दिया।

सभी एंबुलेंस मानक स्तर पर चलें

गुप्ता ने बैठक के दौरान स्वास्थ्य विभाग को भी निर्देश देते हुए कहा कि सभी एंबुलेंस मानक स्तर पर चलें। मरीजों के साथ दुर्व्यवहार न हो। उन्होंने निजी अस्पतालों में सीजेरियन मामले में कार्रवाई पर सवाल पूछे। साथ ही नसबंदी कार्यक्रम को पंचायत स्तर तक ले जाने की बात कही। इस दौरान सांसद ने कहा कि मरीज मंदसौर से रेफर न हों इसके लिए सुविधाओं में विस्तार करें। जिला अस्पताल में रखी मशीनें जिनका कोई उपयोग नहीं हो रहा है उनकी सूची बनाकर सांसद ने सात दिन में देने के निर्देश दिए ।

अलग-अलग स्थानों पर सर्पदंश से दो लोगों की हुई मौत, मर्ग कायम

तेंदूखेड़ा। बारिश का मौसम आता है तो धरती पर रेंगने वाले जीव-जंतु बिलों से बाहर निकलकर रहवासी क्षेत्र या फिर घरों में प्रवेश करते हैं। इन दिनों इसी वजह से लोगों की जान तक जा रही है या फिर गंभीर हालत में जबलपुर-दमोह जाकर इलाज करवाना पड़ रहा है। हाल ही में तेन्दूखेड़ा थाना के अंतर्गत दो अलग अलग स्थानों पर दो लोगों की जहरीले सांप के डसने से मौत हो गई। पहला मामला थाना के ससनाकला ग्राम पंचायत के आश्रित ग्राम ढाना से सामने आया है जहां पर सर्पदंश से ताराबाई पति डाल सिंह लोधी उम्र 60 वर्ष की इलाज के दौरान मौत हो गई। परिजनों द्वारा बताया गया है ताराबाई को घर में सोते समय सांप ने काट लिया था जिसे इलाज के लिए लाया गया था लेकिन इलाज के दौरान मौत हो गई। वहीं दूसरी घटना ग्राम बम्हौरी से सामने आई है जहां पर घर के बाहर खेलते समय 8 वर्षीय मासूम को सांप ने काट लिया जिसे परिजन इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर आए जहां डॉक्टरों द्वारा चेकअप कर मृत घोषित कर दिया गया। घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार दसोश पिता हल्ले भाई लोधी उम्र 8 वर्षीय अपने घर के पास अपनी बहनों के साथ खेल रही थी उसी दौरान सांप ने डंस लिया। दोनों मामलों में पुलिस द्वारा जांच की जा रही है।

दमोह कलेक्टर ने धनगौर में छात्रावासों का औचक निरीक्षण कर दिए दिशा-निर्देश

तेंदूखेड़ा। कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने धनगौर स्थित बालिका व बालक छात्रावास व माध्यमिक शाला का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने छात्रावास की बिल्डिंग सहित छात्रावास में मिलने वाली बालिकाओं को सुविधा के बारे में बालिकाओं से जानकारी ली। इसके बाद उन्होंने बालिकाओं से संवाद किया। जिसमें उन्होंने पढ़ाई के बारे में मिलने वाली सामग्री के बारे में जानकारी हासिल की। उन्होंने बच्चों से प्रश्नों के उत्तर भी पूछे। बालिकाओं से छात्रावास में मिलने वाले भोजन का भी स्वाद भी उन्होंने लिया। साथ ही बालक छात्रावास में भी कलेक्टर ने अधीक्षक को भोजन को लेकर सुधार करने के निर्देश दिए। इस दौरान एसडीएम सौरव गंधर्व, नायब तहसीलदार चंद्रशेखर शिल्पी, छात्रावास अधीक्षिका ममता खरे अधीक्षक शंकर लाल झारिया उपस्थित रहीं।

कार्यक्रम में शिक्षकों को किया सम्मानित

तेंदूखेड़ा। मध्यप्रदेश शिक्षक संघ द्वारा पूरे प्रदेश में गुरुवन्दन कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा हैं इसी क्रम में तेंदूखेड़ा इकाई द्वारा शासकीय माध्यमिक बालक शाला तेंदूखेड़ा में गुरुवन्दन कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमे गुरु वंदना करते हुए गुरु महिमा पर प्रकाश डाला गया। जीवन में गुरु के महत्व के बारे में बताया गया। कार्यक्रम में मध्यप्रदेश शिक्षक संघ तेंदूखेड़ा के सभी सदस्य, कार्यकारिणी, वर्तमान एवं पूर्व पदाधिकारियों के साथ शिक्षकों एवं सेवानिवृत्त शिक्षकों की उपस्थिति रही।

दृढ़ इच्छाशक्ति के साथ लिया गया संकल्प हमेशा पूरा होता है: संदीप

बण्डा। दृढ इच्छाशक्ति के साथ लिया गया संकल्प हमेशा पूरा होता है। सभी छात्रावासी विद्यार्थियों के लिए छात्रावास में कम्प्यूटर सुविधा उपलब्ध होगी। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए मार्गदर्शन दिया जाएगा। यह बात कलेक्टर संदीप जीआर ने मॉडर्न स्कूल बण्डा एवं अनुसूचित जाति छात्रावास बण्डा के निरीक्षण के दौरान कही। कलेक्टर संदीप देर शाम मॉडर्न स्कूल बण्डा एवं अनुसूचित जाति छात्रावास पहुंचे और विद्यार्थियों से कहा कि आप सभी दृढ इच्छाशक्ति के साथ संकल्प लें कि हमें स्कूल शिक्षा के बाद डॉक्टर, इंजीनियर सहित अन्य बड़े पदों पर जाना है। इसके लिए आज से ही तैयारियां प्रारंभ करें।

वन विभाग के चौकीदार का शव मिला

तेंदूखेड़ा। पेड़ पौधों व प्लांटेशन की देखरेख करने वाले एक चौकीदार का शव प्लांटेशन के अंदर मृतक अवस्था में मिलने से हड़कंप मच गया। जानकारी अनुसार तेन्दूखेड़ा वन परिक्षेत्र के एक प्लांटेशन चौकीदार इंदुर आदिवासी का शव मिला। इंदुर ड्यूटी पर गया था। शाम तक वापस नहीं लौटने पर परिजन रात भर उसे खोजते रहे। इंदुर बम्होरी गांव का रहने वाला था और तेंदूखेड़ा वन परिक्षेत्र में सुरक्षा श्रमिक के रूप में अस्थाई सेवाएं दे रहा था। प्लांटेशन उसके गांव से मात्र एक किलोमीटर दूर सागर जबलपुर स्टेट हाईवे 15 पर स्थित है। वर्ष 2021 में स्थापित थे। इस प्लांटेशन में इंदुर और एक अन्य व्यक्ति सुरक्षा श्रमिक के रूप में कार्यरत थे मृतक के पुत्र अरविंद्र आदिवासी ने बताया कि उसके पिता शनिवार सुबह प्लांटेशन गए थे। रविवार सुबह कुछ साथियों के साथ प्लांटेशन में उन्होंने अपने पिता का शव देखा।

दुर्दशा: जंगलों से होते हुए मुख्यालय पहुंचते हैं ग्रामीण, स्वास्थ्य सहित अन्य सेवाएं प्रभावित

बारिश के दिनों में घर में कैद हो जाते हैं कई गांवों के आदिवासी, सुध लेने वाला कोई नहीं

विशाल रजक। तेन्दूखेड़ा

आदिवासियों को साधने के लिए ढेरों सरकारी योजनाएं को संचालित किया जा रहा है लेकिन जिम्मेदारों की लापरवाही पूर्ण कार्य प्रणाली से धरातल पर योजनाओं के हाल - सरकारी मंशा के उलट ही नजर आ रहा है।जंगलों के गांवों में रह रहे आदिवासी आज भी बुनियादी और मूलभूत सुविधाओं से वंचित हैं और सरकारी दफ्तरों के चक्कर काट रहे हैं। सरकार समझ रही है कि हर गांव विकास की राह पर है, लेकिन कुछ गांवों में हालात विकराल हैं। गांव तक पहुंचने के लिए न तो पक्की सड़क है और न ही स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था है। हैंडपंप के सहारे जलापूर्ति होती है। गांव में बिजली तो पहुंची, लेकिन इस सुविधा का समुचित लाभ नहीं मिलता। रात में अंधेरा छाया रहता है, रोजगार के साधन भी नहीं हैं, स्वास्थ्य सुविधाएं भी नदारद हैं। यह समस्या दशकों से बनी हुई है बावजूद इसके आज तक इसका निराकरण नहीं हो पाया है

उदाहरण के लिए जिले की जबेरा विधानसभा क्षेत्र से जुड़े गांव को देखा जा सकता है। यहां के विधायक इस समय प्रदेश में राज्यमंत्री के रूप में अपनी सेवाएं दे रहे हैं, लेकिन इस गांव की ओर किसी का ध्यान नहीं है। ग्रामीणों का कहना कि उनकी याद सिर्फ चुनाव के समय पर आती है। इन गांवों में से एक गांव है हाथीडोल, जो इमलीडोल ग्राम पंचायत में आता है। ये गांव बीच जंगल में बसा हुआ है। आबादी तकरीबन 250 है और 50 मकान हैं। ये आदिवासी समाज बाहुल्य गांव है। यहां के लोगों का जीवकों पार्जन का मुख्य जरिया मज़दूरी और खेती किसानी है। यहां के लोग सड़क, पानी, बिजली जैसी समस्याओं से जूझ रहे हैं। आदिवासी परिवार के बच्चों की शिक्षा के लिए एक स्कूल है, पर वह भी भगवान भरोसे हैं।

चारों ओर कीचड़ ही कीचड़

तेंदूखेड़ा ब्लॉक की ग्राम पंचायत इमलीडोल के आश्रित ग्राम हाथीडोल तक पहुंचने के लिए बड़ी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। हर रास्ते पर कीचड़ ही कीचड़ होने से आने-जाने के लिए पगडंडी का सहारा ही लिया जाता है या फिर गर्मियों में बाइक से आ-जा सकते हैं लेकिन बारिश के दिनों में गांव के लोग कैद हो जाते हैं। क्योंकि सड़क की स्थिति बेहद खराब है। रास्ते भर में दो फीट तक कीचड़ जमा हुआ है। गांव के गोपाल कुलस्ते सहित अन्य बताते हैं कि सूखे दिनों में तो किसी तरह लोग आना जाना कर लेते हैं।

जंगली जानवरों का खतरा

इमलिया गांव से हाथीडोल तक जाने के लिए 10 किमी के कच्चे मार्ग में अनेकों कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। लोग गिरते-उठते जनपद मुख्यालय तक पहुंचते हैं। इस कच्चे रास्ते में दर्जनों छोटे-बड़े गड्ढे बन गए हैं और पूरा रास्ता दलदल में तब्दील हो गया है। ग्रामीणों का कहना है कि बरसाती मौसम में घना जंगल होने के कारण जंगली जानवर भी मार्ग पर आ जाते हैं। साथ ही जीव जंतुओं और कच्ची सड़क में गड्ढे और दलदलनुमा रास्ता से होकर गुजरने के डर से लोग शाम होते ही घरों के अंदर दुबक जाते हैं।

जंगल से स्कूल जाते हैं छात्र

यहां पर अध्यनरत छात्र पढ़ाई के मामले में होशियार हैं लेकिन इनको कक्षा 5 पांच के बाद 10 किमी दूर इमलीडोल जाना पड़ता है। वहीं 9 वीं के बाद पढ़ाई से वंचित रह जाते हैं क्योंकि इमलीडोल मे भी हाईस्कूल नहीं है। अगर किसी को कक्षा 9 के बाद पढ़ाई करनी है तो तेन्दूखेड़ा शहर आना पड़ेगा। इतना जरूर है कि गांव तक पहुंचने के लिए शिक्षकों को भी मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। क्योंकि बच्चे शिक्षा से वंचित न रहें इसलिए शिक्षक गांव पहुंचने के लिए जंगल होते हुए आते-जाते हैं।

शबाब पर आया बीना नदी का वाटरफॉल

पर्याप्त बारिश के कारण राहतगढ़ के पास बीना नदी का जल प्रपात इन दिनों आकर्षण का केंद्र बन जाता है। इसे देखने आसपास के लोग पहुंचते हैं।

नदी का जल स्तर बढ़ा, पेड़ के सहारे फंसा रहा ग्रामीण

सागर। इन दिनों भारी बारिश के चलते जिले के नदी नाले उफान पर हैं। रहली की सुनार नदी में अचानक पानी बढ़ने से एक ग्रामीण बहते-बहते बचा। दरअसल उसने पुल में फंसे एक पेड़ को पकड़ लिया था। बाद में पुलिस ने रेस्क्यू कर उसे बचा लिया। मिली जानकारी के अनुसार ग्राम बेदवारा निवासी हल्ले पिता कंछेदी गौंड किसी काम से नदी पार कर सिमरिया गांव गया था जब लौट कर आया तो नदी का पानी पुल पर से बह रहा था । पुल पर पानी होने के बावजूद ग्रामीण ने पुल पार करने की कोशिश की लेकिन बीच पुल पर आते ही नदी का जल स्तर बढ़ गया और वह बहने लगा । पहले से पुल पर एक पेड़ के सहारे फंसा था जो डूबते के लिए सहारा बना और कंछेदी झाड़ पर बैठ गया। वह झाड के सहारे करीब 3 घंटे रहा। सूचना मिलने पर मौके पर तहसीलदार राजेश पाण्डेय, एसडीओपी प्रकाश मिश्रा, थाना प्रभारी अनिल तिवारी बल के साथ पहुंचे। नदी उफान पर थी तत्काल सागर से एसडीआरएफ रेसक्यू टीम को बुलाया गया। बड़ी मशकत के बाद रस्सी के सहारे ग्रामीण को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया।

भाजपा कार्यालय में शिव आराधना

सागर। सावन माह में भगवान शिव की आराधना का सिलसिला मंदिरों सहित अन्य स्थानों पर जारी है। जिला भाजपा कार्यालय में पार्थिव शिवलिंग निर्माण का आयोजन किया गया। पंडित केशव गिरि महाराज के सानिध्य में आयोजित असंख्य पार्थिव शिवलिंग निर्माण कार्यक्रम में पूर्व गृहमंत्री व खुरई विधायक भूपेन्द्र सिंह ,जिला अध्यक्ष श्याम तिवारी सहित कार्यकर्ताओं ने पार्थिव शिवलिंग निर्माण व रुद्र अभिषेक किया।

'मन की बात' में राष्ट्र की एकता व निर्माण की गहरी सोच: खण्डेलवाल

बैतूल। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष व विधायक हेमंत खण्डेलवाल ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का 'मन की बात' कार्यक्रम हमेशा राष्ट्र की एकता और निर्माण की दिशा में गहरी सोच को दर्शाता है। प्रधानमंत्री ने जन-जन को एक सूत्र में पिरोने और विकसित भारत के निर्माण के लिए मार्गदर्शित करते हुए प्रदेश के किलों का भ्रमण करने, पूर्वजों के शौर्य और पराक्रम पर गर्व करने का जो मार्ग बताया है। निश्चित रूप से वह हम सबके लिए गौरव की बात है। प्रधानमंत्री ने भोपाल में महिलाओं के समूह द्वारा पार्कों की सफाई और स्वच्छता के लिए किए जा रहे कार्यों की सराहना कर महिलाओं को प्रोत्साहन देने के साथ हम सबको स्वच्छता के प्रति और सजग रहने का मार्ग दिखाया है।

मेट्रो एंकर देवास के करंसी छापने वाले कारखाने का मामला, मुंबई पुलिस को सौंपी जाएगी डायरी

मुन्नाभाई की तर्ज पर हासिल की बैंक नोट प्रेस में नौकरी, अब केस दर्ज

देवास। दोपहर मेट्रो

देशभर में सबसे ज्यादा नोट छापने वाली मध्यप्रदेश की देवास स्थित बैंक नोट प्रेस में बड़ा फर्जीवाड़ा सामने आया है। यहां जूनियर टैक्नीशियन के पद पर एक कर्मचारी फर्जी तरीके से नौकरी कर रहा था। जूनियर टैक्नीशियन के लिए परीक्षा किसी और ने दी थी और नौकरी कोई और कर रहा था। मामला सामने आने के बाद बीएनपी प्रबंधन ने जांच के बाद बीएनपी थाने पर आवेदन दिया। मामले में बीएनपी पुलिस ने विभिन्न धाराओं में शून्य पर प्रकरण दर्ज किया है जिसे मुंबई पुलिस को भेजा जाएगा।

बीएनपी टीआई अमित सोलंकी ने बताया वर्ष 2021 में बीएनपी में जूनियर टैक्नीशियन पद के लिए भर्ती निकली थी। इसमें सरवन कुमार ने आवेदन किया था और इसके लिए मुंबई में परीक्षा हुई थी। इसके बाद बीएनपी में सरवन कुमार का चयन हुआ था। तब से सरवन कुमार बीएनपी में नौकरी कर रहा था। पिछले दिनों अन्य यूनिटों में गड़बड़ी सामने आने के बाद सरवन कुमार के मामले में बीएनपी प्रबंधन ने जांच की तो यह बात सामने आई कि मुंबई में हुई परीक्षा सरवन ने नहीं दी थी। उसकी जगह दीपक नामक कोई सॉल्वर परीक्षा में बैठा था। सरवन ने फर्जी तरीके से परीक्षा पास की और नौकरी करने लगा। सिक्योरिटी प्रिंटिंग एंड मिंटिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड के अधीन यूनिटों में 2021 में भर्ती निकाली गई थी। इसके लिए निजी कंपनी के माध्यम से परीक्षा दी गई। उसी के तहत सरवन कुमार का चयन हुआ था। पिछले दिनों मुंबई, नासिक, होशंगाबाद यूनिट में ऐसा मामला सामने आने के बाद अभ्यर्थियों के दस्तावेजों की जांच की गई। इसी के तहत सरवन कुमार के मामले में भी जांच हुई। फिंगर प्रिंट, आधार कार्ड सहित अन्य दस्तावेजों की जांच हुई तो पता चला कि उसकी जगह बिहार के किसी दीपक कुमार ने परीक्षा दी थी। सरवन ने खुद कबूल किया कि उसने फर्जीवाड़ा किया है।

मैनचेस्टर टेस्ट ड्रा, मैदान में देखने को मिला उबाल भी

जडेजा-सुंदर ने ठुकराया स्टोक्स का ऑफर तो भड़क उठे इंग्लैंड के कप्तान

नई दिल्ली, एजेंसी

मैनचेस्टर में भारत-इंग्लैंड के बीच खेले गए चौथे रोमांचक टेस्ट मैच में स्टोक्स और जडेजा के बीच तीखी बहस भी देखने को मिली। ये मैच ड्रॉ पर खत्म हुआ। इंग्लैंड की 311 रनों की लीड के बावजूद टीम इंडिया ने इस टेस्ट को ड्रॉ करा लिया और पारी से हारने के साथ ही सीरीज गंवाने का खतरा भी टाल लिया।

जडेजा-सुंदर की साझेदारी से जब ये तय हो गया की अब ये मुकाबला ड्रॉ ही होगा। तो इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने रवींद्र जडेजा और वॉशिंगटन सुंदर को ड्रॉ का ऑफर दिया। लेकिन दोनों ने इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स के इस प्रस्ताव को ठुकरा दिया और बल्लेबाजी जारी रखी। क्योंकि दोनों ही बल्लेबाज अपने शतक के करीब थे। लेकिन मैच के बाद स्टोक्स ने रवींद्र जडेजा से हाथ नहीं मिलाया। इसे लेकर दोनों खिलाड़ियों में कहासुनी हुई।

जानें क्या है पूरा माजरा

दरअसल, जब भारत का स्कोर 386/4 था और टीम की लीड 75 रन तक पहुंच चुकी थी, तब स्टोक्स ने अंपायर से बात कर हाथ मिलाने का प्रस्ताव दिया। यानी मैच को ड्रॉ मानने का संकेत दिया। उस समय 15 ओवर बाकी थे और इंग्लैंड की जीत की कोई संभावना नहीं थी। लेकिन जडेजा और सुंदर, जो अपने-अपने शतक के करीब थे, मैदान पर डटे रहे। शुभमन गिल, जो ड्रेसिंग रूम से देख रहे थे बिना किसी प्रतिक्रिया के शांत बैठे थे। बेन स्टोक्स, भारत के इस फैसले से खुश नहीं दिखे और उन्होंने अंपायर व बल्लेबाजों से लंबी बातचीत के बाद सिर हिलाया, यानी असहमति जताई। मैच के बाद खिलाड़ी एक-दूसरे से हाथ मिलाते हैं। लेकिन स्टोक्स ने जडेजा और सुंदर से हाथ मिलाने से इनकार कर दिया। इसे लेकर जडेजा और स्टोक्स में तीखी बहस देखने को मिली। इसका वीडियो भी वायरल है।

203 रनों की साझेदारी और दो शतक

इसके बाद दोनों बल्लेबाजों ने इंग्लैंड के गेंदबाजों को थकाया और 203 रनों की अटूट साझेदारी की। जडेजा ने शतक पूरा होते ही अपनी मशहूर तलवारबाज़ी सेलिब्रेशन किया। सुंदर ने भी अपना पहला टेस्ट शतक बनाया और खुशी ज़ाहिर की।

स्टोक्स ने दिखाया छोटा दिल

बाद में इंग्लैंड ने हैरी ब्रूक को गेंदबाजी पर लगाया। उन्होंने धीमी-धीमी गेंदें फेंकीं, जिससे जडेजा और सुंदर को चौके मारने में आसानी हुई। इसी दौरान स्टंप माइक में स्टोक्स की आवाज रिकॉर्ड हुई। स्टोक्स ने तंज भरे लहजे में कहा, जड्डू, तुम हैरी ब्रूक और जो रूट के खिलाफ टेस्ट शतक बनाना चाहते हो? इस पर कमेंट्री कर रहे सुनील गावस्कर गुस्सा हो गए और इंग्लैंड के इस व्यवहार की आलोचना की।

ऑस्ट्रेलिया ने चौथा टी-20 वेस्टइंडीज से 3 विकेट से जीता

सीरीज में 4-0 की बढ़त, इंग्लिश-ग्रीन के अर्धशतकों से मिली जीत

बासेटेरे , एजेंसी

ऑस्ट्रेलिया ने चौथे टी-20 में वेस्टइंडीज को 3 विकेट से हराकर पांच मैचों की सीरीज में 4-0 की अजेय बढ़त हासिल कर ली। बासेटेरे में खेले गए इस मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाजों जोश इंग्लिश और कैमरन ग्रीन की अर्धशतकीय पारियों ने टीम को जीत दिलाई। वेस्टइंडीज ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 9 विकेट पर 205 रन बनाए। जवाब में ऑस्ट्रेलिया ने 7 विकेट खोकर 206 रन बनाकर लक्ष्य हासिल कर लिया।

ऑस्ट्रेलिया की शुरूआत भी अच्छी नहीं रही। ओपनर मिचेल मार्श दूसरी गेंद पर आउट हो गए। इसके बाद जोश इंग्लिश ने पहले ग्लेन मैक्सवेल और फिर कैमरन ग्रीन के साथ महत्वपूर्ण साझेदारियां कीं। इंग्लिश और मैक्सवेल ने दूसरे विकेट के लिए 35 गेंदों पर 66 रन जोड़े। फिर इंग्लिश और ग्रीन ने तीसरे विकेट के लिए 24 गेंदों पर 63 रन की साझेदारी की। इंग्लिश ने 30 गेंदों पर 51 रन, मैक्सवेल ने 18 गेंदों पर 47 रन, और ग्रीन ने 36 गेंदों पर नाबाद 55 रन बनाए। वेस्टइंडीज की ओर से जेडन सील्स ने 3 विकेट लिए।

वेस्टइंडीज की खराब शुरूआत

टॉस हारकर बल्लेबाजी करने उतरी वेस्टइंडीज की शुरूआत खराब रही। सात ओवर में 67 रन पर चार विकेट गिर चुके थे। इसके बाद शेरफेन रदरफोर्ड (31), रोवमैन पॉवेल (28), रोमारियो शेफर्ड (28), और जेसन होल्डर (26) ने उपयोगी पारियां खेलकर टीम को 200 के पार पहुंचाया। ऑस्ट्रेलिया की ओर से एडम जम्पा सबसे सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने 4 ओवर में 54 रन देकर 3 विकेट लिए। आरोन हार्डी, सीन एबॉट, और जेवियर बार्टलेट ने 2-2 विकेट हासिल किए।

अंकिता ने विवि खेलों में महिलाओं की 3000 मीटर स्टीपलचेज में जीता रजत पदक

राइन रूहर। भारत की स्टीपलचेज एथलीट अंकिता ने रविवार को विश्व विश्वविद्यालय खेलों के अंतिम दिन 9:31.99 सेकेंड के व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय के साथ 3000 मीटर स्पर्धा में रजत पदक जीता।

रविवार को कई भारतीय एथलीट ट्रैक स्पर्धाओं में प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। 23 वर्षीय अंकिता ने अपने व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय 9:39.00 सेकेंड से लगभग सात सेकेंड कम समय में रजत पदक जीता। वह फिनलैंड की इलोना मारिया मोनोनेन (9:31.86 सेकेंड) के मिली सेकेंड से पीछे रहीं। जर्मनी की अदिया बुड्डे ने 9:33.34 सेकेंड का समय लेकर कांस्य पदक जीता। शुक्रवार को अंकिता ने 9:54.79 सेकंड का समय निकालकर हीट 1 में शीर्ष स्थान हासिल किया था और फाइनल में अपनी जगह पक्की की थी। सुबह के सत्र में अंकिता के पदक जीतने के साथ भारत ने इस प्रतिष्ठित स्पर्धा में अपने पदकों की संख्या दो स्वर्ण, चार रजत और तीन कांस्य पदकों तक पहुंचा दी है।भारतीय महिला चार गुणा 400 मीटर रिले टीम ने 3:35.08 सेकेंड से सत्र का सर्वश्रेष्ठ समय निकाला, लेकिन यह पदक के लिए पर्याप्त नहीं था।

ड्रा टेस्ट में गोरे गेंदबाजों की हार

इंग्लैंड के खिलाफ चल रही टेस्ट सीरीज में टीम इंडिया के बल्लेबाजों का दमदार खेल ने गोरे गेंदबाजों को एक बार फिर बैकफुट पर ढकेल दिया ।शुभमन गिल, रवींद्र जडेजा,वाशिंगटन सुंदर और के एल राहुल की पारियों के दम पर मेहमान टीम ने इंग्लैंड के खिलाफ खेले गए चौथे टेस्ट मैच को ड्रॉ करा लिया ।लॉर्ड्स के मैदान पर जीत की सुगंध के बाद हार के करीब पहुंचने वाली इंग्लैंड टीम को भाग्य के सहारे(सिराज का विकेट) मिली जीत को टीम इंडिया के बल्लेबाजों ने एक बार फिर आईना दिखा दिया। मैनचेस्टर के मैदान पर खेले गये इस मैच में पहली पारी में 311 रनों से पिछड़ने के बाद टीम इंडिया के बल्लेबाजों ने अपने धमाकेदार,जुझारू बल्लेबाजी से मैच को डॉ कर सीरीज को ओवल में होने वाले आखिरी टेस्ट मैच तक जिंदा रखा है। लगातार दो टेस्ट मैचों में इंग्लैंड के गेंदबाजों को छकाने वाली टीम इंडिया अब बढ़े हुए मनोबल के साथ ओवल में आखिरी टेस्ट मैच को जीतकर सीरीज को 2-2 की बराबरी पर समाप्त करने के लिए उतरेगी ।दरअसल मैनचेस्टर में जब इंग्लैंड ने अपनी पहली पारी में 669 रन बनाए तो भारत की हार पक्की दिख रही थी। ऐसा माना जाता है कि अगर कोई टीम पहली पारी में 311 रनों से पिछड़ती है और 5 सेशन का खेल बाकी रहता है तो मैच बचाना लगभग नामुकिन होता है ।वहीं अगर पहले ही ओवर में दो विकेट गिर जाए तो हर कोई हार मान लेता है,लेकिन इसके बाद भी टीम इंडिया ने इंग्लैंड के खिलाफ ओल्ड ट्रैफर्ड के मैदान पर टेस्ट सीरीज के चौथे मुकाबले को ड्रॉ करवा लिया है ।सही मायने में तो ऐसा प्रतीत हो रहा था कि अगर यह मैच एक दिन और खेला जाता तो फिर टीम इंडिया यह बाजी पलट भी सकती थी ।खैर यह बात तो मात्र परिकल्पना ही है,लेकिन सच तो यह है कि अब तक खेली गयी टेस्ट सीरीज में टीम इंडिया के बल्लेबाजों का ही बोलबाला रहा है,जिस वजह से अंग्रेज गेंदबाजों ने ज्यादातर समय मुँहकी ही खायी है ।शुरुआती 2 टेस्ट मैचों में 1-1 की बराबरी के बाद लॉर्ड्स की ही तरह टीम इंडिया ने मैनचेस्टर में भी अंग्रेज गेंदबाजों को जमकर छकाया ।सही मायने में वह इतने परेशान हो गए कि आखिरी सत्र में ड्रॉ कराने के लिए तैयार हो गए थे ।वैसे टीम इंडिया के बल्लेबाजों ने उनकी बात नहीं मानी और फिर जडेजा व सुंदर ने अपने शतक ठोककर अंग्रेजों को टीम इंडिया के बल्ले की ताकत का एहसास करवा दिया ।भले ही 5 मैचों की सीरीज में इंग्लैंड के पास अभी भी 2-1 की बढ़त है,लेकिन चौथे टेस्ट मैच बड़ी बढ़त लेने के बाद पहले ही ओवर में 2 विकेट चटकाने के बावजूद 5 सत्र के खेल में इन-फॉर्म ऋषभ पंत की गैरमौजूदगी पर टीम इंडिया को ऑल आउट न कर पाना इंग्लैंड के गेंदबाज का यह दर्द ओवल में होने वाले आखिरी टेस्ट तक जाने वाला है ।वहीं टीम इंडिया की बल्लेबाजी ताकत उसको एक अतिरिक्त विशेषज्ञ गेंदबाज को एकादश में शामिल कर जीत का मूलमंत्र बना सकती है,क्योंकि अब तक उसने अपनी बल्लेबाजी की गहराई को ही बढ़ाया है ।यह तो वक्त ही बतायेगा कि लंदन के ओवल मैदान पर होने वाले निर्णायक टेस्ट में जीत के लिए दोनों टीमें कौनसा फार्मूला आजमाती हैं ।जो भी हो लेकिन इस बात में कोई शक नहीं कि इंग्लैंड की सरजमीं पर गिल सेना ने सीरीज में अभी तक अंग्रेजों के छक्के छुड़ाये हुए हैं।

आलोक गोस्वामी
खेल विश्लेषक

मनोरंजन
बॉलीवुड का कोना

फिल्म सैयारा के बाद ओटीटी पर धमाल मचाने को तैयार अनीत पड्डा

फिल्म सैयारा की जबरदस्त सफलता के बाद एक्ट्रेस अनीत पड्डा आज किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं। अपनी डेब्यू फिल्म सैयारा में बहुत उम्दा एक्टिंग से सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा है। इस बीच अनीत पड्डा को लेकर एक नई रिपोर्ट सामने आई है, जिसमें बताया गया है कि बड़े पर्दे पर धमाल मचाने के बाद अब एक्ट्रेस ओटीटी पर भी अपना जलवा दिखाने वाली हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक अनीत पड्डा के साथ फ़ातिमा सना शेख रियल स्टोरी पर बेस्ड सीरीज न्याय में नजर आएंगी। पिछले साल फिल्माया गया यह शो जल्द ही एक प्रमुख ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज़ होने वाला है। लेकिन सभी के मन में ये सवाल आ रहा है कि पहली ही फिल्म सुपरहिट हो गई है तो फिर अनीत ओटीटी की तरफ क्यों अपना रुख मोड़ रही हैं? सूत्रों ने बताया कि अनीत का ये प्रोजेक्ट फिल्म सैयारा साइन करने से पहले शूट हो चुका था। जानकारी के मुताबिक न्याय एक युवा लड़की की कहानी होगी, जो एक ताकतवर धार्मिक नेता द्वाया यौन शोषण का शिकार होती है और उसके खिलाफ कोर्ट में ये लड़ाई लड़ती है। इस सीरीज में अनीत 17 साल की एक पीड़िता का रोल प्ले कर रही हैं, जो न सिर्फ समाज के दबाव से जूझती है, बल्कि कानूनी समस्याओं से भी लड़ती है। वहीं इस सीरीज में फातिमा सना शेख भी नजर आएंगी। जो एक पुलिस अधिकारी के रोल में होंगी। इसके अलावा अर्जुन माथुर एक वकील की भूमिका निभा रहे हैं।

दंबग खान को गलतियों का हुआ एहसास बोले- काश पहले ही सुन लेता पापा की बात

सलमान खान ने सोशल मीडिया पर एक क्रिप्टिक पोस्ट शेयर किया है, जिसमें उन्होंने बताया है कि उनकी गलतियों पर पिता सलीम खान ने क्या सलाह दी थी। 59 वर्षीय स्टार को पछतावा है कि उन्होंने पिता की बताई सीख पहले क्यों नहीं सुनी। हालांकि, वह मानते हैं कि अब भी देर नहीं हुई है। सलमान ने बताया कि पिता सलीम खान ने उनसे कहा था कि तुमसे कोई भी ऐसा कुछ नहीं करवा सकता जो तुम नहीं करना चाहते। सलमान खान ने अपने ड्ड अकाउंट पर पिता की कही बातें लिखीं और साथ में अपनी एक तस्वीर शेयर की, जिसमें वह काले रंग की टी-शर्ट पहने नजर आ रहे हैं।

सलमान खान ने बताया, पिता सलीम खान ने उनसे क्या कहा- पोस्ट में सलमान खान ने लिखा, वर्तमान तुम्हारा अतीत बन जाता है, अतीत तुम्हारे भविष्य के साथ जुड़ जाता है। वर्तमान एक तोहफा है, इसके सही इस्तेमाल करो। वर्तमान में कुछ गलत मत करो। बार-बार की गई गलतियांआदत बन जाती हैं और फिर तुम्हारा कैरेक्टर। किसी को दोष मत दो। कोई भी तुम्हें ऐसा कुछ करने के लिए मजबूर कर नहीं कर सकता, जो तुम नहीं करना चाहते।

काश! मैंने पहले उनकी बात सुन ली होती- सलमान ने आगे लिखा, मेरे डैड (सलीम खान) ने ये बातें मुझसे कहीं और ये कितनी सच हैं। काश! मैंने यह बात पहले सुन ली होती। उनकी बात मान ली होगी।।।पर अभी भी देर नहीं हुई है। सलमान के इस पोस्ट पर कई फैंस ने भी रिएक्ट किया है। उनका कहना है कि अभी भी देर नहीं हुई है। जब जागो तभी सवेरा।

सलमान का करियर- विवाद

सलमान खान ने साल 1988 में अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की थी। उन्होंने सफलता और असफलता दोनों का दौर देखा। जिंदगी में काफी बड़ी मुश्किलों से गुजरे। साल 1998 में सलमान पर काले हिरण के शिकार का आरोप लगा था, और इस कारण उन्हें जोधपुर जेल जाना पड़ा था। एक बार उन पर आर्म्स एक्ट के तहत भी कई आरोप लगे थे। दरअसल, उनके पास जो हथियार था, उसका लाइसेंस एक्सपायर हो चुका था। उनका नाम साल 2002 में हिट एंड रन केस में भी आया था, जिसमें उन्हें 13 साल बाद दोषी करार देते हुए 5 साल की जेल की सजा सुनाई गई थी। और अब काफी वक्त से सलमान को गैंग्स्टर लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जान से मारने की धमकियां मिल रही हैं। वहीं, निजी जिंदगी में भी सलमान ने काफी मुश्किलें झेलीं। उनका ऐश्वर्या राय संग गंदा ब्रेकअप हुआ। ऐश्वर्या ने सलमान पर मारपीट के आरोप लगाए थे। विवेक ओबेरॉय ने भी सलमान के खिलाफ एक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर डाली थी।

दीर्घायु फिजियोथैरेपी क्लीनिक में शॉक वेव थैरेपी से कारगर होगा पुराने जोड़ों का इलाज

दोपहर मेट्रो, भोपाल

दीर्घायु फिजियोथैरेपी क्लीनिक अब नई मशीन के साथ पहले से ज्यादा एडवांस हो गया है । हुजूर क्षेत्र के बीजेपी विधायक रामेश्वर शर्मा ने नई मशीन का लोकार्पण किया । कोलार रोड स्थित अवध मार्ग पर दानिश कुंज कालोनी में बने जैन मंदिर के सामने बंजारी कालोनी स्थित क्लीनिक में जहां अभी तक क्लास फोर लेजर थैरेपी 30 वाट , आई टेकार थैरेपी से इलाज़ हो रहा था। अब शॉक वेव थैरेपी से पुराने से पुराने जोड़ों और मांसपेशियों के दर्द से पीड़ित रोगियों का इलाज और बेहतर तरीके से संभव हो सकेगा। मौजूदा दौर में बदलती जीवन शैली और बढ़ते आधुनिकीकरण (डिजिटल) पर बढ़ती निर्भरता बदलते युग में कई बीमारियों का कारण बन रही है। ऐसे में इलाज़ भी आधुनिक मशीनों व आधुनिक तकनीक से होना जरूरी है।

एक्स्ट्राकॉर्पोरियल शॉकवेव थैरेपी क्या है?

शॉकवेव थैरेपी एक पोर्टेबल डिवाइस है । इसका उपयोग करके बाहरी रूप से (एक्स्ट्राकोर्पोरियल) रूप से घायल या दर्दनाक ऊतकों पर ऊर्जा का प्रयोग किया जाता है। यह रक्त की आपूर्ति और मेटाबॉलिक एक्टिविटी (चयापचय) को उत्तेजित करने और उपचार को बढ़ावा देने के लिए शॉकवेव देता है । इसके ज़रिए तंत्रिका संबंधी समस्याओं के इलाज के लिए उच्च-ऊर्जा ध्वनि तरंगें पहुंचाई जाती हैं। एक्स्ट्राकॉर्पोरियल शॉकवेव थेरेपी (श्वङ्खस्ञ्) ध्वनि ऊर्जा ठोस ऊतकों में अधिक गहराई तक प्रवेश करने में सक्षम होती है। इसलिए इसका भौतिक-चिकित्सा में उपयोग दर्द के उपचार के लिए किया जाता है। शॉकवेव थेरेपी स्पोर्ट्स इंज्यूरी से होने वाली चोटों के इलाज में भी उपयोगी साबित हो रही है। स्पाइन एक्सपर्ट फिजियोथैरेपिस्ट डॉ. सुनील पाण्डेय एमपीटी (ऑर्थोपेडिक) ने बताया कि इस थैरेपी से गर्दन का दर्द (सरवाइकल रेटिकुलोपैथी), कन्धों का दर्द (फोर्जन शोल्डर) कोहनियों का दर्द (टैनिस एल्बो) कलाई का दर्द (कार्पल टनल सिंड्रोम) , क़मर दर्द (लंबर स्पॉन्डिलाइटिस) , कूल्हे (हिप जॉइंट) का दर्द, घुटनों का दर्द (ऑस्टियोअर्थराइटिस) , स्पोर्ट्स की सॉफ्ट टिश्यू इंजुरी (लिगामेंट,टेंडन) , प्लान्टर फेसियाइटिसएड़ी का दर्द (हील स्पर) आदि का कारगर इलाज मुमकिन है । क्षेत्रीय विधायक रामेश्वर शर्मा ने भोपाल के निजी क्षेत्र में फिजियोथेरेपी के इलाज में इस नई मशीन को स्थापित करने के लिए डॉ पांडे को बधाई देकर अपनी शुभकामनाएं प्रेषित कीं । इस मौके पर डॉ पांडे के करीबी मित्र और इलाज करवा रहे कई मरीज भी मौजूद थे ।

तीन दिन से लापता अधेड़ की लाश मिली

भोपाल। बिलखिरिया गांव में रविवार सुबह एक अधेड़ उम्र के व्यक्ति की लाश मिलने से सनसनी फैल गई। वे गत तीन दिन से लापता थे और उनकी गुमशुदगी भी परिजन ने थाने में दर्ज कराई थी। लाश दो तीन दिन पुरानी होने के कारण डिकंपोज होने गली थी। लिहाजा शरीर पर चोट के निशान नहीं मिले है।

पुलिस ने लाश पीएम के बाद परिजन को सौंप दी है। पुलिस पीएम रिपोर्ट मिलने का इंतजार कर रही है।

पुलिस के अनुसार 50 साल के छोटूलाल, बिलखिरिया गांव में रहते थे और खेती किसानी करते थे। तीन दिन पूर्व वह रहस्यमय तरीके से लापता हो गए। परिजन ने उनकी तलाश की, लेकिन कुछ पता नहीं चला। इसके बाद पुलिस थाने पहुंचकर उनकी गुमशुदगी दर्ज कराई गई। पुलिस और परिजन उनकी तलाश कर रही थी। इस दौरान परिजन ने उनकी लाश घर से करीब दो सौ मीटर की दूरी पर खड़ी ट्रैक्टर ट्रॉली की आड़ में पड़ी देखी। सूचना मिलते ही पुलिस की टीम मौके पर पहुंच गई थी। परिजन ने पुलिस से पीएम नहीं कराने की गुजारिश की। हालांकि बाद में पुलिस ने समझाइश दी तो परिजन मान गए। पुलिस ने पीएम के बाद लाश परिजन को सौंप दी है।

मिसरोद में रेलवे ट्रैक पर मिली युवक की लाश

भोपाल। मिसरोद थाना क्षेत्र स्थित स्नेह नगर रेलवे ट्रैक से पुलिस ने एक युवक का शव बरामद किया है। युवक का सिर बुरी तरह से कुचला हुआ है, जबकि दाहिने पैर कटकर अलग हो गया। मृतक के पास से ऐसा कोई भी दस्तावेज नहीं मिला है, जिससे की उसकी शिनाख्त की जा सके। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के लिए मर्चुरी भेज दिया है। पुलिस शिनाख्त करने का प्रयास कर रही है।

पुलिस के अनुसार हजरत निजामुद्दीन के पायलेट ने मिसरोद स्टेशन मास्टर को सूचना दी थी कि सलैया अंडर ब्रिज से कुछ दूरी पर एक युवक की लाश पड़ी हुई है। स्टेशन मास्टर अनिल कुमार दुबे घटनास्थल पर पहुंचे और स्नेह नगर के पीछे रेलवे टैःक पर युवक की लाश देखी। अनिल दुबे की सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया, लेकिन घटनास्थल से ऐसा कोई भी दस्तावेज नहीं मिला, जिससे की मृतक की शिनाख्त की जा सके। मृतक की उम्र करीब तीस वर्ष के आसपास बताई जा रही है।

उच्च पद प्रभार पर असमंजस डीपीसी के लिए होगी परीक्षा

भोपाल। प्रदेश के कई जिलों में जिला परियोजना समन्वयक के पद खालीऔर प्रभारी के भरोसे चल रहे हैं। ऐसे में राज्य शिक्षा केंद्र द्वारा इन पदों के लिए प्रतिनियुक्ति की प्रक्रिया शुरू की गई है। इसके लिए आयु सीमा 1 जनवरी 2025 को 56 वर्ष तक निर्धारित की गई है। स्क्रूटनी के बाद सफल अभ्यार्थियों का साक्षात्कार 10 सितंबर से 12 सितंबर के बीच होगा डीपीसी के लिए लिखित परीक्षा 20 अगस्त को आयोजित की जाएगी। हालांकि उच्च पद प्रभार के तहत व्याख्याता, उच्च माध्यमिक शिक्षा के पद पर काम कर रहे लोक सेवकों लेकर असमंजस की स्थिति बनी हुई है, क्योंकि राज्य शिक्षा केंद्र ने इसको लेकर आदेश में कोई स्पष्ट उल्लेख नहीं किया है।जबकि उच्च पद प्रभार वाले लोक सेवकों द्वारा भी आवेदन किए गए हैं, लेकिन इसको लेकर अबतक स्थिति स्पष्टनहीं है। उपरोक्त अधिकारियों को अपना आवेदन पत्र राज्य शिक्षा केंद्र में प्रस्तुत करना होगा। आवेदन पत्र प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 31 जुलाई रहेगी। इसी तिथि को आवेदन पत्रों की स्क्रूटनी की जाएगी। स्क्रूटनी उपरांत 20 अगस्त को लिखित परीक्षा होगी। सफल अभ्यार्थियों का साक्षात्कार 10 सितंबर से 12 सितंबर के बीच होगा।

कट्टा खरीदने वाला जग्गा गिरफ्तार, ड्रग सप्लायर गैंग का एक और सदस्य पकड़ाया

यासीन मछली से पूछताछ में खुलासा ड्रग्स के साथ हथियारों की भी तस्करी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

एमडी ड्रग्स की सप्लाई करने वाला यासीन मछली और शाहवर से क्राइम ब्रांच की पुलिस लगातार पूछताछ कर रही है। आरोपी से पूछताछ के बाद पुलिस ने प्रॉपर्टी डीलर जगजीस सिंह उर्फ जग्गा से .22 बोर का डबल नाल वाला कट्टा बरामद किया है।

उक्त कट्टा यासीन अहमद उर्फ यासीन मछली ने बेचा था। आरोपियों की पुलिस रिमांड होने के कारण उन्हें जांच के लिए क्राइम ब्रांच की टीम उनके घर सहित हर संभावित ठिकानों पर लेकर पहुंच रही है, ताकि एमडी ड्रग्स से जुड़े अन्य आरोपियों तक पहुंचा जा सके। शनिवार रात क्राइम ब्रांच की टीम यासीन मछली को लेकर उसके घर पहुंची थी।

वहां से पुलिस ने कुछ अहम सबूत इकट्ठा किए है, जिससे पता चला कि यासीन ड्रग्स के साथ हथियारों की तस्करी से भी जुड़ा था। रविवार दोपहर भी क्राइम ब्रांच उसके घर लेकर पहुंची थी।

क्राइम ब्रांच की पूछताछ में जग्गा ने स्वीकार किया है। उक्त कट्टा यासीन से खरीदा था। यासीन और उसके चाचा शाहवर के कहने पर ड्रग्स की सप्लाई करता था और बदले में कमीशन लेता था। जल्द ही पुलिस एक और मेडिकल व्यवसायी के बेटे को गिरफ्तार कर सकती है। क्राइम ब्रांच ने बताया कि जगजीस सिंह बैस उर्फ जग्गा (31) राजवैद सोसायटी, नीलगिरि कालोनी कोलार रोड पर रहता है।

उसने पुलिस को बताया कि एक पार्टी में उसकी दोस्ती यासीन अहमद उर्फ मिंटू निवासी बुधवारा से हुई थी। यासीन से उसने पांच हजार रुपए में उक्त कट्टा खरीदा था। साथ ही वह गांजा पीने का आदी है और उसके पास से गांजे की पुड़िया भी मिली है। क्राइम ब्रांच ने जग्गा के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट और आर्म्स एक्ट की धाराओं में प्रकरण दर्ज किया है। आरोपी ने पूछताछ में बताया कि वह यासीन की लाइफ स्टाइल से प्रभावित होकर उसके साथ जुड़ गया था।

यासीन की बेनामी संपत्ति पर नजर

ड्रग्स और हथियार की तस्करी से कम समय में बड़ी रकम कमाने वाले यासीन मछली और शाहवर की संपत्ति के बारे में क्राइम ब्रांच ने जानकारी जुटानी शुरू कर दी है। इसके अलावा उनके बैंक अकाउंट की जानकारी भी जुटा रही है। क्राइम ब्रांच का कहना है कि बड़ी डील रकम ट्रांसफर से होने की आशंका है। यासीन का श्यामला हिल्स स्थित अंसल अपार्टमेंट में फ्लैट है। उक्त फ्लैट पर भी पार्टियां होने की जानकारी मिली है। उसके मोबाइल में युवकों से मारपीट सहित कुछ वीडियो अंशल अपार्टमेंट के बताए जा रहे हैं।

सूने मकान की तीसरी मंजिल से लाखों के जेवरात और नगदी चोरी

भोपाल। ऐशबाग थाना क्षेत्र स्थित ओल्ड सुभाष नगर में एक तीन मंजिला सूने मकान पर धावा बोलकर अज्ञात चोर नगदी व जेवरात समेत लाखों रुपए के माल पर हाथ साफ कर गए। विज्ञापन एजेंसी की संचालिका की मां की मौत के बाद मकान सूना पड़ा था। पिता भी बेटी के साथ जाकर रहने लगे थे। पुलिस को मौके पर लगे सीसीटीवी कैमरे से एक फुटेज मिला है जिसमें 20 जुलाई की दोपहर एक संदिग्ध मकान में घुसता नजर आ रहा है। पुलिस ने नकबजनी का प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है। सीसीटीवी कैमरे के फुटेज में एक संदिग्ध मकान के अंदर आया नजर पुलिस के अनुसार मालवीय नगर निवासी दिशा शर्मा एक विज्ञापन एजेंसी की संचालिका हैं। उनके पिता की तीन मंजिला मकान ओल्ड सुभाष नगर में हैं। कुछ दिन पहले मां की मौत के बाद बुजुर्ग पिता बेटी दिशा के साथ रहने लगे थे। ओल्ड सुभाष नगर वाला मकान सूना पड़ा है। इसी दौरान कोई अज्ञात बदमाश सूने मकान पर धावा बोलकर तीसरी मंजिल से सोने-चांदी के पुश्तैनी जेवरात व नगदी चोरी कर लिए। घटना की जानकारी मिलते ही दिशा शर्मा मौके पर पहुंची और पुलिस को सूचना दी। विज्ञापन एजेंसी के मैनेजर निशांत व्यास की शिकायत पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया है। फुटेज में आए हुलिए के आधार पर आरोपी की तलाश की जा रही है।

चाय की दुकान पर घेरकर युवक की हत्या, तीन बदमाशों ने की वारदात

चार दिन पहले हुआ ?था विवाद, बदला लेने देर रात चाकू से हमला

भोपाल, दोपहर मेट्रो

कोलार थाना क्षेत्र स्थित नुक्कड़ चाय की दुकान पर बीती रात तीन बदमाशों ने ड्राइवर पर चाकू से जानलेवा हमला कर दिया। हमले की वजह चार दिन पूर्व हुए विवाद की बात सामने आई है। विवाद का बदला लेने आरोपियों ने उसे चाय की दुकान पर घेरकर चाकू हमला कर दिया। पेट और आंख के पास उसे चाकू लगने से गंभीर चोट आईथी। उसका भाई उसे इलाज के लिए निजी अस्पताल लेकर पहुंचा, वहां डॉक्टर ने चेक करने के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के लिए मर्चुरी भेज दिया है। पुलिस आरोपियों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर उनकी

तलाश कर रही है। पुलिस के अनुसार शुभम यादव पिता मोर सिंह यादव (23) गौरव नगर, कोलार में रहता था। वह ड्राइवर था। करीब चार दिन पहले उसका भूपेंद्र से विवाद हुआ था। विवाद का बदला लेने आरोपी भूपेंद्र मौका तलाश रहा था। रविवार रात करीब 10 बजे के आसपास शुभम घर से नुक्कड़ चाय की दुकान के पास पहुंचाथा, तभी आरोपी भूपेंद्र को वह नजर आ गया। भूपेंद्र के साथ उसका साथी गोलू, और आकाश जिन्नारे था। तीनों ने मिलकर शुभम को घेर लिया और मारपीट करते हुए चाकू से हमला कर दिया। चाकू शुभम को पेट में और आंख के पास लगा था। शुभम को चाकू लगने से गंभीर चोट आईथी। उसके परिचितों ने उसके भाई नरेंद्र यादव को घटना की जानकारी दी। नरेंद्र यादव तत्काल मौके पर पहुंचा और भाई को इलाज के लिए निजी अस्पताल ले गया। निजी अस्पताल में कुछ ही देर चले इलाज के बाद शुभम की मौत हो गई। डॉक्टर ने बताया कि शुभम को पेट में चाकू लगने से उसे गंभीर चोट थी। खून अधिक बहने से उसकी मौत हो गई।

भाई को बताया, भूपेंद्र, गोलू और आकाश ने मारा

अस्पताल की सूचना पर पहुंची पुलिस ने नरेंद्र यादव से पूछताछ की तो उसने बताया कि भाई को जिस समय वह अस्पताल ले जा रहाथा। उस समय वह होश में था। उसने बताया कि पुराने विवाद के कारण उसे भूपेंद्र ने अपने साथी गोलू और आकाश के साथ मिलकर चाकू मारे हैं।

वीआईपी कारकेड में घुसी कार हूटर बजा रही कार को मारी टक्कर

भोपाल, दोपहर मेट्रो

अरेरा हिल्स थाना क्षेत्र के एयरटेल तिराहा के पास एक तेज रफ्तार कार ने वीआईपी कारकेड में हूटर बजाती जा रही कार को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में कार का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हालांकि किसी को चोट नहीं आई है। पुलिस ने प्रधान आरक्षक की शिकायत पर प्रकरण दर्ज किया है।

पुलिस के अनुसार पुलिस रेडियो कॉलोनी भदभदा रोड थाना कमला नगर निवासी राजेश नारायण मौर्य (54) प्रधान आरक्षक हैं और ड्रायवर के पद पर पदस्थ हैं। रात करीब सवा नौ बजे वह वीआईपी पी फाइव के लगे कारकेड में बुलेट प्रूफ कार एमपी 03 ए 8483 से हूटर बजाते हुए एयरटेल तिराहे से पत्रकार कॉलोनी की ओर जा रहे थे। उसी दौरान मेडिलीव अस्पताल के सामने चढ़ाई पर पहुंचते ही

सुरक्षा में चूक राजभवन के पास एयरटेल तिराहे पर हादसा

अचानक रॉग साइड से एक कार क्रमांक यूपी 90 पी 2398 का चालक तेजी व लापरवाही से अपनी गाड़ी चलाता हुआ आया और सामने से प्रधान आरक्षक राजेश नारायण की कारकेड कार में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में कारकेड में शामिल कार का सामने का हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया।

शराब तस्कर की गिरफ्तारी 90 लीटर अंग्रेजी शराब जब्त

भोपाल। क्राइम ब्रांच की टीम ने एक शराब तस्कर को गिरफ्तार कर उसके पास से 90 लीटर अंग्रेजी शराब जब्त की है। जब्त शराब की कीमत एक लाख रुपए बताई जा रही है। क्राइम ब्रांच तस्कर के खिलाफ आबकारी की धाराओं में प्रकरण दर्ज कर शराब के बारे में पूछताछ कर रही है। एडिशनल डीसीपी क्राइम ब्रांच शैलेंद्र सिंह चौहान ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली कि एमपी नगर स्थित शांति नगर सुलभ कांप्लेक्स के पास जैन की किराना दुकान है। वहीं सामने वाली गली में सतीश राउत नाम का युवक रहता है। वह शराब की तस्करी करता है और उसके में भारी मात्रा में अंग्रेजी शराब रखी हुई है। सूचना के बाद हरकत में आई क्राइम ब्रांच ने शांति नगर सुलभ कांप्लेक्स के पास गली में पहुंची। सतीश राउत के कमरे पर पहुंचकर दरवाजा खटखटाया गया। इस दौरान सतीश राउत (31) ने दरवाजा खोला। कमरे की तलाशी लेने पर अंदर रखी दस पेटी अंग्रेजी शराब जब्त की गई। आरोपी सतीश राउत ने बताया कि वह नेताजी हिल्स श्रीराम कालोनी, सपना अपार्टमेंट कोलार का रहने वाला है। आरोपी सतीश राउत शांति नगर, थाना एमपी नगर में चाय की दुकान चलाता है। दुकान पर आने वाले ग्राहकों वह सस्ती शराब मुहैया कराता था।

बेटी से ससुराल मिलने पहुंचे पिता ने खाया जहर, मौत

मरने से पहले वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर किया वायरल, पत्नी पर प्रताड़ित करने के आरोप

भोपाल, दोपहर मेट्रो

कोलार थाना क्षेत्र के प्रियंका नगर में ससुराल पहुंचे व्यक्ति ने चूहामार खा लिया। दरअसल, वह अपनी बेटी से मिलने पहुंचा था, लेकिन पत्नी और ससुराल पक्ष के लोगों ने उसे बेटी से मिलने नहीं दिया। इसी बात से दुखी होकर उसने ससुराल में रखा चूहामार खा लिया। उसने चूहामार खाने की सूचना पुलिस को दी थी। पुलिस ने उसे

निजी अस्पताल में भर्ती कराया, वहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। पुलिस के अनुसार मूलरूप से जिला रायसेन निवासी अजय जाटव (25) प्राइवेट काम करता था। उसकी शादी प्रियंका नगर कोलार की युवती से हुई थी। दोनों की एक बेटी है। पिछले कुछ समय से पति-पत्नी के बीच विवाद चल रहा था। विवाद के कारण पत्नी तीन महीने से मायके में रह रही है और कोर्ट में वाद दायर कराया है। चार दिन पहले अजय बेटी से मिलने प्रियंका नगर स्थित ससुराल पहुंचा था। उसने बेटी से मिलने की इच्छा जाहिर की। इस पर पत्नी और ससुराल पक्ष के लोगों ने कहा कि वह बेटी से नहीं मिलने देगे। इसी बात को लेकर अजय की कहासुनी हुई और उसने ससुराल ससुराल में रखा चूहामार जहर खा लिया। जहर खाने के बाद उसने खुद पुलिस को कॉल कर जानकारी दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने उसे गंभीर हालत में इंद्रपुरी के निजी अस्पताल में भर्ती कराया।

मेट्रो एंकर — **नशा मुक्ति का संदेश**

पुलिस कमिश्नर ने बोट क्लब पर लोगों के साथ बनाई मानव श्रृंखला

सैलानियों और नागरिको को दिलाई शपथ

भोपाल,दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश को नशा मुक्त करने पुलिस मुख्यालय के निर्देशानुसार चलाए जा रहे विशेष अभियान नशे से दूरी है जरूरी के तारतम्य में बोट क्लब पर जन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में पुलिस कमिश्नर खुद

पहुंचे और बोट क्लब पर घूमने पहुंचे सैलानियों सहित नागरिकों को नशा मुक्ति की शपथ दिलाई।

कार्यक्रम के अवसर पर मुख्य अतिथि पुलिस कमिश्नर हरिनारायणचारी मिश्र ने नगर रक्षा समिति, स्कूली विद्यार्थियों, गणमान्य नागरिकों और बोट क्लब पर घूमने आये सैलानियों को संबोधित करते हुए नशे से होने वाले दुष्प्रभावों एवं विकारों के बारे में बताया। साथ ही बताया कि पुलिस द्वारा प्रत्येक वर्ष अपराधों का विश्लेषण किया जाता है। जिसमें संलिप्त आरोपियों की पृष्ठभूमि या नशे से जुड़ी होती हैं। वे नशे की हालत में अपराध करना स्वीकार करते हैं।

इसके अलावा नशा करने के लिए संपत्ति संबंधी अपराध किया सहित अधिकतर अपराधों में अपराधी नशे के आदी होते हैं। नशा केवल शारीरिक, मानसिक स्वास्थ्य को खराब करता है बल्कि समाज को भी बुराई की ओर धकेलता है' नशे से जुड़े लोगों के संपर्क में आकर आज के युवा वर्ग बड़ी आसानी से शराब, गांजा इत्यादि नशे की गिरफ्त में आकर उसके आदी बन जाते हैं कार्यक्र में उपस्थित लोगों को नशा मुक्ति के लिए शपथ दिलाई गई।

नाग पंचमी के अवसर पर प्रतिभा सम्मान समारोह हुआ संपन्न

भोपाल। सर्वश्री चौरसिया (तंबोली) समाज विकास परिषद द्वारा नाग पंचमी के अवसर पर रविवार को श्री गुजराती समाज भवन में भव्य प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में समाज की 65 उत्कृष्ट प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया, जिनमें 20 बाल प्रतिभाएं, 18 महिलाएं और 27 युवा शामिल रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ भोपाल की महापौर मालती राय ने दीप प्रज्वलन कर किया। समाज के वरिष्ठ सदस्य एवं सेवानिवृत्त न्यायाधीश रमेशचंद्र चौरसिया, विद्या भारती प्रांत अधिकारी श्री देवकीनंदन चौरसिया, उद्योगपति एवं समाजसेवी रत्नेश चौरसिया, वरिष्ठ बिल्डर हरिओम चौरसिया और समाजसेवी लक्ष्मण चौरसिया ने मुख्य अतिथि के रूप में समाज की प्रतिभाओं को सम्मानित किया। समारोह की अध्यक्षता श्री विनोद चौरसिया ने की, जबकि संचालन मोहित चौरसिया द्वारा किया गया। इस अवसर पर बच्चों और महिलाओं ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से कार्यक्रम को और भी जीवंत बना दिया।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022